NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 02 लखनऊ, गुरूवार 21 अगस्त 2025 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

दोस्त हो तो रूस जैसा हो- अमेरिकी टैरिफ का खुलकर विरोध करते हुए रूस बोला- भारतीय उत्पाद अमेरिका नहीं जाएंगे तो हमारे बाजार में आएंगे

दशकों से रूस भारत का सच्चा साथी बना हुआ है और भारत ने भी रूस का आड़े वक्त पर पूरा साथ दिया है। यही कारण है कि जब अमेरिका भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है तो रूस इसका विरोध कर रहा है। हम आपको बता दें कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25: अतिरिक्त टैरिफ को रूस ने खुलकर ष्दोहरे मानदंडष बताते हुए भारत को आश्वस्त किया है कि उसके लिए रूसी बाजार हमेशा खुला रहेगा। रूस का यह कहना कि ष्भारतीय वस्तुएं यदि अमेरिकी बाजार में जगह नहीं पाएंगी तो वह रूस में जरूर जगह पाएंगीष, भारत–रूस साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है। यह बयान केवल कूटनीतिक समर्थन ही नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को भी रेखांकित करता है। आलोचना की है। यह टैरिफ भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर लगाया गया है। अमेरिकी दृष्टिकोण यह है कि रूस से तेल खध्रीदना, अप्रत्यक्ष रूप से रूस–यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण जैसा है। रूस ने अमेरिकी प्रतिबंधों को ष्दोहरे मानदंडष करार दिया और भारत पर तेल खरीद रोकने के लिए किए जा रहे दबाव को ष्अनुचितष बताया। यह बयान उस समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर मतभेद बढ़े हैं, विशेषकर डेयरी और कृषि क्षेत्र को लेकर। रूस का तर्क है कि भारतीय रिफाइनरियों के लिए उसका तेल सबसे प्रतिस्पर्धी और लाभकारी है। रूस भारत को लगभग 5: छूट पर तेल उपलब्ध कराता है। इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियों ने सितंबर–अक्टूबर के लिए रूसी तेल की नई खेप खध्रीदने के अनुबंध किए हैं। यह खरीद उस समय फिर से शुरू हुई है जब छूट की दरें बढ़कर लगभग 3 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने चीन और भारत जैसे देशों को भारी छूट पर तेल उपलब्ध कराना शुरू किया था। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और भारत ने आर्थिक व्यावहारिकता को देखते हुए रूसी तेल आयात को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है। देखा जाये तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से रूस एक विश्वसनीय भागीदार साबित हो रहा है। तेल और गैस आपूर्ति में विविधता लाना भारत की दीर्घकालिक नीति रही है ताकि पश्चिमी देशों या मध्य–पूर्व पर निर्भरता कम हो। साथ ही, रूस के साथ रक्षा, प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में भी गहरे संबंध हैं। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस वर्ष के अंत तक नई दिल्ली में मुलाकात करेंगे।

राम के नाम पर सीएम की कुर्सी कुर्बान करने वाले नेता की पुण्यतिथि पर भाजपा का मेगा प्लान

पीडीए यानी की पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फश्चर्मूले के सहारे लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी को पछाड़ दिया था। इस चुनाव में सपा 37 लोकसभा सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बहाने बीजेपी मिशन–2027 का आगाज करने जा रही है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति एक प्रयोगशाला है जिसमें जात, धर्म, सांप्रदाय लगभग हर तरह के राजनीतिक समीकरण पर प्रयोग होता है। साल 2014 का लोकसभा चुनाव, 2017 का विधानसभा चुनाव, 2019 का लोकसभा चुनाव के नतीजों ने एक बात तो साफ ही कर दिया की यूपी में योगी के टक्कर का कोई नहीं। योगी आदित्यनाथ को बीजेपी का फायर ब्रांड नेता माना जाता है। पीडीए यानी की पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फॉर्मूले के सहारे लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी को पछाड़ दिया था। इस चुनाव में सपा 37 लोकसभा सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बहाने बीजेपी मिशन–2027 का आगाज करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर 21 अगस्त को अलीगढ़ में बीजेपी एक बड़ा कार्यक्रम करने जा रही है। इस कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सहित दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक शामिल होंगे। वक्त ऐसा भी था जब उत्तर प्रदेश की सियासत में कल्याण सिंह की तूती बोलती थी। कल्याण सिंह का जन्म पांच जनवरी 1932 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की अतरौली तहसील के मढ़ौली गांव में हुआ। कल्याण सिंह के एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनके पुत्र राजवीर सिंह बीजेपी से एटा से सांसद रह चुके है।अब कल्याण सिंह की पुण्यतिथि को बीजेपी हिंदू गौरव दिवस के रूप में मना रही है। इसके साथ ही बीजेपी उत्तर प्रदेश में दो साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने और अखिलेश के पीडीए फार्मूले को काउंटर करने की कवायद में लगी है। 21 अगस्त को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 80 हजार से अधिक लोगों को एकत्रित करने की योजना बनी है। जिसके लिए कल्याण सिंह के प्रभाव वाले 40 जनपदों के साथ–साथ प्रदेश भर से लोग पहुंचेंगे।

बाबरी के विवादित ढांचे के विध्वंस प्रकरण के लिए कल्याण सिंह को जिम्मेदार माना गया। कल्याण सिंह ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। लेकिन दूसरे ही दिन केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश को बर्खास्त कर दिया। उस वक्त त्यागपत्र देने के बाद कल्याण सिंह ने कहा था कि ये सरकार राम मंदिर के नाम पर बनी थी और उसका मकसद पूरा हुआ। ऐसे में सरकार राममंदिर के नाम पर कुर्बान हुई। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक उनकी राजनीति का दूसरा चेहरा मंडल और मंदिर के बीच संतुलन साधने का था। मंडल फैसले से राजनीति जातीय खांचों में बंटी, तब उन्होंने पिछड़ों–दलितों को भाजपा से जोड़कर 'सोशल इंजीनियरिंग' का नया अध्याय लिखा। इससे भाजपा का जनाधार व्यापक हुआ और वे हिंदुत्व के साथ सामाजिक समीकरणों के शिल्पकार भी बने।

बिहार के बाद अब पूरा देश लड़ेगा! राहुल गांधी का चुनाव चोरी पर हल्ला बोल

कांग्रेस नेता ने हाल ही में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव जीतने पर भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी को बधाई दी और उनसे हाथ मिलाया। मतदाता अधिकार यात्राश रविवार को सासाराम से शुरू हुई।

चुनावी राज्य बिहार में अपनी मतदाता अधिकार यात्रा को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि पूरा देश चुनावी चोरी का भी विरोध करेगा। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रतिक्रिया बहुत अच्छी है। बिहार में अब हर कोई वोट चोरी कह रहा है। यह वास्तविकता है। श्चुनावी चोरीश की कोशिश की जा रही है। बिहार विरोध कर रहा है। पूरा देश विरोध करेगा। कांग्रेस नेता ने हाल ही में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव जीतने पर भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी को बधाई दी और उनसे हाथ मिलाया। श्मतदाता अधिकार यात्रा रविवार को सासाराम से शुरू हुई। 16 दिनों की यह यात्रा बिहार में मतदाता सूची के चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित श्वोट चोरीश के विरोध में आयोजित की गई है। दूसरे दिन, गांधी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के साथ औरंगाबाद पहुँचे।

पीएम-सीएम हटाने वाले बिल पर संसद में बवाल, संयुक्तसमिति को भेजा गया

लोकसभा की कार्यवाही शाम 5 बजे तक स्थगित होने से पहले, अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों के व्यवहार पर आपत्ति जताई। अध्यक्ष ने कहा कि सदस्यों को सदन की गरिमा को कम नहीं करना चाहिए। अध्यक्ष ने आगे कहा कि लोग देख रहे हैं। विपक्षी सदस्यों ने पहले तीन विधेयकों को पेश किए जाने पर आपत्ति जताई थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुधवार को लोकसभा में पेश किए जाने के बाद, श्संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025य केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025श को संसद की संयुक्त समिति को भेज दिया गया। लोकसभा की कार्यवाही शाम 5 बजे तक स्थगित होने से पहले, अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों के व्यवहार पर आपत्ति जताई। अध्यक्ष ने कहा कि सदस्यों को सदन की गरिमा को कम नहीं करना चाहिए। अध्यक्ष ने आगे कहा कि लोग देख रहे हैं। विपक्षी सदस्यों ने पहले तीन विधेयकों को पेश किए जाने पर आपत्ति जताई थी। विधेयक को सदनों की एक संयुक्त समिति को भेज दिया गया, जिसमें इस सदन के 21 सदस्य शामिल हैं जिन्हें लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा और 10 राज्यसभा सदस्य हैं जिन्हें उपसभापति द्वारा नामित किया जाएगा। इससे पहले, दिन में विपक्षी सांसदों ने लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर तीन विधेयकों की प्रतियां फाड़कर फेंकी थीं। इन विधेयकों में भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और लगातार 30 दिनों से हिरासत में लिए गए प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों को हटाने का प्रावधान है। शाह ने भारत के संविधान में और संशोधन करने के लिए संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025 और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 के अलावा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करने वाला विधेयक भी पेश किया। उन्होंने इन विधेयकों को संसद की एक संयुक्त समिति को भेजने का भी प्रस्ताव रखा। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन करने का प्रयास करता है ताकि गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तारी या हिरासत में लिए जाने की स्थिति में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान किया जा सके।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में 'दीक्षारंभ' समारोह का भव्य आयोजन

विजडम इंडिया।

देहरादून, 20 अगस्त। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून में आज नवागंतुक छात्रों के स्वागत हेतु 'दीक्षारंभ' समारोह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय परिसर में नए छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा था और संपूर्ण कार्यक्रम का माहौल उल्लासपूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा।

दीप प्रज्वलन और स्वागत

समारोह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के ट्रस्टी श्री यशवर्धन, कुलपति प्रोफेसर डॉ. हिमांशु ऐरन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पी.के. शर्मा तथा रजिस्ट्रार खालिद हसन द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वागत भाषण में श्री यशवर्धन ने नवप्रवेशी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और उन्हें हर संभव अवसर एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा।

कुलपति का प्रेरक संबोधन दृ दीक्षा बनाम शिक्षा

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन का उद्बोधन रहा। उनके विचारों ने न केवल विद्यार्थियों को बल्कि उपस्थित संपूर्ण श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने सहज एवं रोचक शैली में 'दीक्षा' और 'शिक्षा' का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा ।

"शिक्षा मात्र ज्ञान और जानकारी तक सीमित है, जिसे ऑनलाइन माध्यम से भी पाया जा सकता है। परंतु 'दीक्षा' जीवन में संस्कार, अनुशासन, आत्मबल और मानसिक दृढ़ता का संचार करती है। यही गुण छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाते हैं।"

उन्होंने इस अवसर पर विद्यार्थियों को आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय को केवल शिक्षा प्राप्ति का माध्यम न मानें, बल्कि इसे अपनी व्यक्तित्व निर्माण और आत्मिक उन्नति का केंद्र बनाएं।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियां

कुलपति डॉ. ऐरन ने विस्तार से बताया कि रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय ने मेडिकल और पैरामेडिकल शिक्षा में

पहले ही अपनी पहचान बना ली है। अब यह विश्वविद्यालय कला, विज्ञान और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट शैक्षिक और अनुसंधान कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय उत्तराखंड ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर भारत में उच्च शिक्षा का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरेगा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और वीडियो प्रदर्शन

समारोह के दौरान नवागंतुक छात्र–छात्राओं ने गणेश वंदना और विभिन्न नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। साथ ही विश्वविद्यालय की शैक्षिक एवं संस्थागत उपलब्धियों को प्रदर्शित करता एक विशेष वीडियो प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी ने सराहा।

विशिष्ट उपस्थिति

कार्यक्रम में डीन एकेडेमिक्स श्री मनमोहन गुप्ता, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. निकिता कौशल सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं निदेशकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन लूफिना ने किया।

कुलपति के संदेश से मिली नई दिशा

समारोह का समापन कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन के इस संदेश के साथ हुआ कि ।

"दीक्षा की भावना को आत्मसात कर ही छात्र न केवल अच्छे पेशेवर बनेंगे बल्कि एक आदर्श नागरिक और सशक्त मानव बनकर राष्ट्र की सेवा करेंगे।"

केंद्रीय मंत्री सिंधिया का 4 दिवसीय गुना प्रवास, बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलेंगे, हाल–चाल पूछेंगे और राहत कार्यों का करेंगे निरीक्षण

सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया का यह दौरा मुख्य रूप से हाल ही में उनके संसदीय क्षेत्र गुना शिवपुरी और अशोकनगर जिलों में बारिश से हुई अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा, व्यवस्थाओं के अवलोकन और पीड़ितों से संवाद के उद्देश्य से हो रहा

ग्वालियर गुना शिवपुरीध अशोकनगर। केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री और गुना लोकसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र के 4 दिवसीय प्रवास कार्यक्रम पर 21 अगस्त की दोपहर को ग्वालियर पहुँच रहे हैं। उनका यह प्रवास कार्यक्रम 21 से 24 अगस्त तक जारी रहेगा। सिंधिया का यह दौरा मुख्य रूप से हाल ही में उनके संसदीय क्षेत्र गुना शिवपुरी और अशोकनगर जिलों में बारिश से हुई अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा, व्यवस्थाओं के अवलोकन और पीड़ितों से संवाद के उद्देश्य से हो रहा है। उक्त प्रवास कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री गुना, शिवपुरी और अशोकनगर जिलों के बाढ़ प्रभावित गाँवों और क्षेत्रों का दौरा करेंगे, जहाँ विगत दिनों हुई भीषण बारिश और बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिस पर सिंधिया शुरू से ही लगातार नजर बनाए हुए हैं। अपने उक्त प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री आपदा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जनसमूह से संवाद भी करेंगे। सिंधिया का कहना है कि उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र को हमेशा अपना परिवार माना है इसलिए उनका उद्देश्य केवल नुकसान का आकलन करना ही नहीं है, बल्कि हर किसान, हर परिवार और हर बच्चे की चिंता को सुनना और उसे दूर करने का प्रयास करना है। केंद्रीय मंत्री अपने आज के इस 4 दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के दौरान शिवपुरी के लिलवाड़ा, संगेश्वर, लगदा, लालपुर, बांसखेड़ा गाँव तथा चंदेरी के अखाईघाट, साजापुर, पोरू खेड़ी, अमरोड़ खेड़ी और अशोकनगर का दौरा करेंग

बिहार के बाद अब पूरा देश लड़ेगा! राहुल गांधी का चुनाव चोरी पर हल्ला बोल

कांग्रेस नेता ने हाल ही में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव जीतने पर भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी को बधाई दी और उनसे हाथ मिलाया। श्मतदाता अधिकार यात्राश रविवार को सासाराम से शुरू हुई। चुनावी राज्य बिहार में अपनी श्मतदाता अधिकार यात्राश को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि पूरा देश श्चुनावी चोरीश का भी विरोध करेगा। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रतिक्रिया बहुत अच्छी है। बिहार में अब हर कोई ''वोट चोरी'' कह रहा है। यह वास्तविकता है।

चुनावी चोरी की कोशिश की जा रही है। बिहार विरोध कर रहा है। पूरा देश विरोध करेगा।कांग्रेस नेता ने हाल ही में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव जीतने पर भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी को बधाई दी और उनसे हाथ मिलाया। श्मतदाता अधिकार यात्राश रविवार को सासाराम से शुरू हुई। 16 दिनों की यह यात्रा बिहार में मतदाता सूची के चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित श्वोट चोरीश के विरोध में आयोजित की गई है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊ(आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ में अधिकारियों, कर्मचारियों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षित कर उन्हें और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में संस्थान के महानिदेशक एल० वेंकटेश्वर लू के संरक्षण तथा प्रधान अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्गदर्शन में 18 से 22 अगस्त तक विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।संस्थान में 18 मंत्रालयों के 77 सहायक अनुभाग अधिकारियों के लिए षविलेज अटैचमेंट कार्यक्रमष विषयक पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण, ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागियों हेतु ष्लोक–ओएस पर ऑनलाइन ट्रांजैक्शनष प्रशिक्षण, क्षेत्रीय व जिला प्रशिक्षण केंद्रों के अधिकारियों और कर्मचारियों हेतु ष्ई–ऑफिस ट्रेनिंग मैनेजमेंट, मानव सम्पदा एवं जेम पोर्टलष विषयक राज्य स्तरीय प्रशिक्षण, विभिन्न विभागों के अधिकारियों हेतु ष्ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं जलवायु परिवर्तन का समावेशष पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण तथा आईसीडीएस, स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास और पंचायतीराज विभाग के कर्मचारियों हेतु ष्पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता आधारित सहभागी कार्यक्रमष आयोजित किए गए।महानिदेशक एल० वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में आज इनमें से तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन समारोह आयोजित किया गया। इसमें प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व वरिष्ठ सदस्य लोक सेवा आयोग डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव अर्जुन देव भारती विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।डॉ. शाक्य ने जातक कथाओं और पंचतंत्र की कथाओं के उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को अभिप्रेरित किया, वहीं अर्जुन देव भारती ने साइबर सिक्योरिटी प्लान पर विस्तृत जानकारी दी। समापन सत्र में महानिदेशक एल० वेंकटेश्वर लू ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अपनी सीमाओं व दायित्वों को समझते हुए निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। उन्होंने शारीरिक और मानसिक प्रबंधन के संतुलन पर बल देते हुए कर्मयोगी बनने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवीन कुमार सिन्हा ने किया और उप निदेशक डॉ. बी०एल० मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन एवं प्रबंधन में उप निदेशक सरिता गुप्ता, सहायक निदेशक डॉ. राजकिशोर यादव, डॉ. सीमा राठौर, डॉ. सत्येन्द्र कुमार गुप्ता, डॉ. विनीता रावत, डॉ. शिवबचन सिंह यादव, डॉ. अल्का शर्मा, सहायक निदेशक संजय कुमार, डॉ. वरूण चतुर्वेदी, आपदा प्रबंधन सलाहकार कुमार दीपक, उपेंद्र कुमार दूबे, मोहम्मद शाहरूख और मोहम्मद शहंशाह का योगदान उल्लेखनीय रहा।

जिलाधिकारी ने पीएम सूर्यघर योजना के प्रगति की समीक्षा की,बैंकों में लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण करते हुए समय से ऋण उपलब्ध कराये जाने के दिए निर्देश

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी–जिला संवाददाता) जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में पीएम सूर्य घर योजना के प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने समीक्षा के दौरान पीएम सूर्य घर योजना से सम्बंधित वेण्डरों से बात करते हुए योजना से जुड़े हुए कार्यों के प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अतिरिक्त लोड बढ़ाने के नाम उपभोक्ताओं से अतिरिक्त पैसा न लिया जाये, निर्धारित प्रोसेसिंग फीस को उपभोक्ताओं के बिल में एड कर लिया जाये। जिलाधिकारी ने कार्य में लापरवाही बरतने पर सभी सम्बंधित अधिशाषी अभियंताओं को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने पीएम सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंकों में लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण करते हुए आवेदनकर्ता को समय से ऋण उपलब्ध कराने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं

शहरी क्षेत्रों में शौर्य ऊर्जा को बढ़ावा देना और इस योजना के तहत 300 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा प्रदान कराना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत घरों में बिजली की आपूर्ति के लिए आवासीय घरों की छतों पर सौर पैनल लगाये जाने को सरकार बढ़ावा दे रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम है। कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष कार्य में प्रगति लाते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण किया जाये। उन्होंने यूपी नेडा को इस योजना का आमजन के मध्य व्यापक प्रचार–प्रसार कराकर योजना से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी देने के लिए कहा है। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी कार्यालयों एवं भवनों में भी सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल लगाये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि आवेदन के पश्चात आवेदनकर्ताओं को निर्धारित समयसीमा में सूर्यघर योजना के लाभ से आच्छादित किया जाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने इस योजना से जुड़े सभी सम्बंधित विभागों को सक्रियता के साथ कार्य करते हुए समय से कार्यों को पूर्ण कराये जाने के लिए कहा है। कहा कि कार्य में लापरवाही की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। इस अवसर पर विद्युत विभाग, यूपीनेडा व अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

युवती की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, दाहिने पैर में लगी गोली

दोस्तपुर सुल्तानपुर (आरएनएस)। जिले के दोस्तपुर पुलिस ने बेथरा नहर के पास हुई मुठभेड़ में एक हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दो दिन पहले एक 25 वर्षीय युवती की हत्या कर शव को अम्बेडकरनगर के रेलवे स्टेशन पर लटका दिया था। बता दें कि सोमवार को अम्बेडकरनगर के अकबरपुर थाना क्षेत्र में मिरानपुर के पास रेलवे लाइन के नीचे बने गाटर की सीढ़ी पर युवती का शव मिला। पुलिस और जीआरपी की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। मृतका की पहचान सुल्तानपुर के दोस्तपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली के रूप में हुई। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह के अनुसार, मंगलवार की देर रात आरोपी आरोपी मोहम्मद शमीम पिता सिराज (28) दोस्तपुर ब्लॉक चौराहे से कादीपुर की ओर जा रहा था। बेथरा नहर पर पुलिस ने घेराबंदी की। आरोपी ने पुलिस पर फायर किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है। मृतका तीन बहनों में से एक थी और उसके माता–पिता मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। परिवार वालो ने मंगलवार को केस दर्ज कराया था। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट में बताया कि उनकी 24 वर्षीय पुत्री 17 अगस्त को दोपहर 3 बजे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण लेने के लिए घर से निकली थी। शाम 8 बजे तक जब वह घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। प्रशिक्षण केंद्र में पता करने पर मालूम हुआ कि वह वहां नहीं पहुंची। परिवार के अनुसार, युवती का मोबाइल नंबर भी बंद है। जांच में पता चला कि वह मोहम्मद शमीम नाम के व्यक्ति से बात करती थी, और उसका नंबर भी अब बंद मिला था।

वर्षा ;तु में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए लखनऊ नगर निगम का विशेष सफाई अभियान शुरू

लखनऊ(आरएनएस)। वर्षा ऋतु में बढ़ने वाले संचारी रोगों और वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम लखनऊ ने बुधवार से दस दिवसीय

विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर यह अभियान 20 अगस्त से 30 अगस्त तक पूरे शहर में चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य है शहर को स्वच्छ और संक्रमणमुक्त बनाकर नागरिकों को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना।अभियान के तहत नगर निगम ने शहर के 110 वार्डों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। ये अधिकारी प्रतिदिन अपने आवंटित वार्डों का दौरा कर सफाई व्यवस्था, नालियों, सीवर लाइन, कूड़ा प्रबंधन और जलापूर्ति की स्थिति का निरीक्षण करेंगे और समस्या मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।बुधवार को अभियान की शुरुआत कई वार्डों में अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। विक्रमादित्य–महात्मा गांधी वार्ड में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, लालजी टंडन वार्ड में अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, लेबर कॉलोनी वार्ड में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, फैजुल्लागंज–द्वितीय वार्ड में मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा, मौलाना कल्बे आबिद वार्ड में मुख्य अभियंता आर.आर. मनोज प्रभात, बाबू कुंज बिहारी–ओम नगर वार्ड में नगर स्वास्थ्य अधिकारी प्रवीन श्रीवास्तव, अम्बरगंज वार्ड में मुख्य वित्त लेखाधिकारी महामिलिंद लाल, खरगापुर–सरसवा वार्ड में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, बाबू बनारसी दास वार्ड में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय राय, मशकगंज–वजीरगंज वार्ड में सहायक नगर आयुक्त विनीत सिंह, मोतीलाल नेहरू–चन्द्र भानु गुप्त नगर वार्ड में सहायक नगर आयुक्त विकास सिंह और लोहिया नगर वार्ड में सहायक नगर आयुक्त रामेश्वर प्रसाद ने सफाई का निरीक्षण किया।सुबह 7 बजे से शुरू हुए निरीक्षण में गंदगी के ढेर, सीवर लाइन की लीकेज, दूषित जल स्रोत, डोर–टू–डोर कूड़ा उठान की स्थिति, खाली प्लॉट और पार्कों की सफाई तथा नालियों की दशा की जांच की गई। जहां भी गंदगी या समस्या मिली, वहां अधिकारियों ने तत्काल सफाई और समाधान के निर्देश दिए।नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बारिश में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसीलिए इस अभियान के तहत जलजमाव वाले स्थानों की नियमित जांच, कीटनाशक छिड़काव और स्वास्थ्य सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरों और आस–पास पानी जमा न होने दें तथा किसी समस्या की सूचना तत्काल निगम को दें।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि शहर की स्वच्छता और नागरिकों का स्वास्थ्य प्राथमिकता है। इस वर्षा ऋतु अभियान के जरिए संचारी रोगों के प्रसार को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। नोडल अधिकारी अपने वार्ड की स्थिति पर लगातार नजर रखें और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। यह अभियान 30 अगस्त तक चलेगा, जिसके दौरान सतत निरीक्षण और सुधारात्मक कार्य किए जाएंगे ताकि स्वास्थ्य संबंधी जोखिम न्यूनतम हों।

डिवाइडर से टकराकर खाई में गिरी एक्सयूवी, व्यापारी की मौत

सुल्तानपुर (आरएनएस)। सुल्तानपुर जिले में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही एक्सयूवी कार पहले डिवाईडर से टकराई, इसके बाद 12 फीट हवा में उछलकर लुढ़कते हुए सड़क किनारे 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में बेटी का इलाज कराने जा रहे लखनऊ जा रहे पिता की मौत हो गई। 4 लोग घायल हो गए, जिनमें पत्नी, बेटी, बड़े भाई और ड्राइवर शामिल हैं। हादसा ड्राइवर को झपकी आने के कारण मंगलवार देर रात पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर मंगलवार रात 1:30 से 2:00 बजे के बीच हुआ। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। टक्कर के धमाके की आवाज सुनकर आसपास के गांव के लोग मौके पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। अस्पताल पहुंचने से पहले ही दीपक कुमार की मौत हो गई। परिवार बिहार के मोतिहारी जिले का रहने वाला है। बिहार के मोतिहारी जिले के पहनवां थाना क्षेत्र के पोखलिया गांव निवासी व्यापारी दीपक कुमार (50) अपनी बेटी पलक (22) का इलाज कराने के लिए लखनऊ के पीजीआई अस्पताल आ रहे थे। इंस्पेक्टर जयसिंहपुर सत्येंद्र सिंह ने बताया शव को पोस्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। परिवार के अन्य लोगों को सूचना दे दी गई है। बाकी परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

सुल्तानपुर (आरएनएस)। आधुनिक भारत के शिल्पकार, संचार क्रांति के जनक व पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती पर मंगलवार को कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर के तिकोनिया स्थित राजीव गांधी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पमाल्य अर्पित किया गया। इसके उपरांत शाहगंज तिराहे पर गरीबों व बेरोजगारों के बीच लड्डू–मिठाइयाँ वितरित कर उन्हें कोटि–कोटि नमन किया गया।

इस अवसर पर नि.जिला उपाध्यक्ष सिराज अहमद–भोला, पवन मिश्र, तेज बहादुर पाठक, योगेश पाण्डेय, मिर्जा अकरम वेग, प्रेम भारती, जफर अहमद, महेंद्र सिंह, अमोल वाजपेई, आर बी पाण्डेय, मानिक चन्द्र श्रीवास्तव, गुलाम मोहम्मद, शब्बू अहमद समेत सैकड़ों कांग्रेसजन मौजूद रहे। कांग्रेसजनों ने कहा कि देश की प्रगति, विज्ञान, सूचना–तकनीक और नवनिर्माण में राजीव गांधी का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर बड़ा हमला

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनावों में मतदाता सूची से नाम काटने को लेकर समाजवादी पार्टी ने 18 हजार शपथपत्र जमा किए थे, लेकिन भाजपा सरकार और प्रशासन उनमें से एक का भी सही जवाब देने से बच रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि जिलाधिकारी को आगे करके चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि नाम काटते समय लगाए गए 'मृतक प्रमाणपत्र' कहाँ हैं। अगर यह कार्रवाई सही थी तो सफाई देने में इतने साल क्यों लग गए?उन्होंने आरोप लगाया कि कासगंज, बाराबंकी और जौनपुर के जिलाधिकारियों की अचानक सक्रियता से यह साबित हो गया है कि चुनाव आयोग का यह कहना कि ष्एफिडेविट की बात गलत हैष पूरी तरह झूठ था। यदि कोई शपथपत्र मिला ही नहीं, तो जिलाधिकारी जवाब किस बात का दे रहे हैं।अखिलेश यादव ने जिलाधिकारियों पर सतही जवाब देकर खानापूर्ति करने का आरोप लगाया और उनकी संलिप्तता की गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए क्योंकि या तो चुनाव आयोग गलत है या फिर जिलाधिकारी।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार, चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत ने लोकतंत्र को आघात पहुंचाया है। इसे उन्होंने "चुनावी तीन तिगाड़ा" करार देते हुए कहा कि यही त्रिगुट लोकतंत्र पर डाका डालने का जिम्मेदार है। अखिलेश ने चेतावनी दी कि अब जनता ही इस त्रिगुट की अदालत लगाएगी।क्या आप चाहेंगे कि मैं इस खबर को राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप की रिपोर्टिंग शैली में थोड़ा और विस्तार देकर अखिलेश के तर्कों और भाजपा पक्ष की संभावित प्रतिक्रिया का संतुलन भी जोड़ दूं?

किसानों की दुर्दशा और लोकतंत्र पर हमला कर रही भाजपा सरकार– अखिलेश यादव

लखनऊ फिरोजाबाद(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने और लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आज किसान खाद और यूरिया के लिए दर–दर भटक रहा है, अयोध्या समेत कई जिलों में लंबी–लंबी लाइनें लग रही हैं, लेकिन सरकार किसानों को खाद उपलब्ध नहीं करा पा रही है। स्थिति यह है कि किसान खाद मांगने पर लाठियां खा रहे हैं और पूरी तरह बेबस हो चुके हैं।टुण्डला (फिरोजाबाद) में पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों को आय दुगनी करने का सपना दिखाया था, लेकिन हकीकत यह है कि किसानों की आय में कोई इजाफा नहीं हुआ। आलू, मक्का, धान, सरसों और अन्य फसलों की सही कीमत किसानों को नहीं मिल रही है। भाजपा सरकार न तो किसानों का इंतजाम कर पा रही है और न ही कानून व्यवस्था संभाल पा रही है।उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में काटे गए मतदाताओं के नामों के मुद्दे पर भी चुनाव आयोग और प्रशासन को घेरा। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 18 हजार मतदाताओं के शपथपत्र चुनाव आयोग को सौंपे थे। पहले चुनाव आयोग कह रहा था कि उन्हें कोई शपथपत्र नहीं मिला, जबकि अब जिलाधिकारी कह रहे हैं कि उनके पास शपथपत्र पहुंचे हैं। यह अब चुनाव आयोग और जिलाधिकारियों के बीच की लड़ाई हो गई है।अखिलेश यादव ने कहा कि रामपुर और कुंदरकी उपचुनाव में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाताओं को घर से निकलने नहीं दिया गया और जिस तरह कुंदरकी में पड़े कुल मतों का 80 फीसदी भाजपा के खाते में गया, वह चुनावी साजिश का सबूत है। अखिलेश ने चुनाव आयोग, भाजपा और जिला प्रशासन की तिकड़ी को ष्लोकतंत्र को कमजोर करने वाली तिकड़ीष बताया।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उपचुनावों में पुलिस ने प्राइवेट ड्रेस में वोट डाले, लेकिन भाजपा के दबाव में चुनाव आयोग रिकॉर्डिंग सार्वजनिक नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में कैमरे से फर्जी मतदान का खुलासा हुआ था, उसी तरह उत्तर प्रदेश में भी सच सामने आने का डर भाजपा को सता रहा है।तानाशाही प्रवृत्ति पर हमला करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जब शासक घबराते हैं तो मनमानी भरे फैसले लेते हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि जर्मनी, इटली और रूस जैसे देशों के तानाशाह भी अपने कुर्सी को हमेशा नहीं बचा पाए। भाजपा भी लोकतंत्र पर हमला कर कुर्सी बचाने में सफल नहीं होगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव तिरहुंत बाजार में गूंजे श्याम भजनों के स्वर

बल्दीराय/सुल्तानपुर (आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के तिरहुंत बाजार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव प्रांगण में भव्य बाबा खाटू श्याम भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन की भक्ति लहर में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु डूब गए।

कार्यक्रम में हलियापुर श्याम संकीर्तन मंडल, देहली श्याम संकीर्तन मंडल, मुसाफिरखाना श्याम संकीर्तन मंडल, बहुरावा श्याम संकीर्तन मंडल एवं वल्लीपुर श्याम संकीर्तन मंडल सहित कई मंडलों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। संकीर्तन में सुप्रसिद्ध भजन गायक सुखम तिवारी, अंकुश शुक्ला एवं मनोज अग्रहरि ने पूरी रात भक्तों को भक्ति संगीत से सराबोर किया। संचालन प्रख्यात कवि पुष्कर सुल्तानपुरी ने किया। विशेष आकर्षण के रूप में भजन गायक अंकुश शुक्ला की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। उनके मधुर भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया और देर रात तक श्याम भक्ति का रस बरसता रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग राय विक्रम सिंह, रणवीर सिंह, कृष्ण कुमार यादव, हिन्देश सिंह, शिवराम अग्रहरि, रामलाल गुप्ता, आशीष मोदनवाल, दीपक अग्रहरि समेत सैकड़ों भक्त मौजूद रहे। भजन संकीर्तन के समापन पर बाबा श्याम को छप्पन भोग अर्पित किया गया। तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण हुआ, जिससे वातावरण और अधिक भक्तिमय बन गया।

उपभोक्ताओं की संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता– ए.के. शर्मा

लखनऊ(आरएनएस) नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा और संतोष ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिजली आज आमजन के जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ विषय है, इसलिए हर घर तक निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए अधिकारियों को केवल दफ्तरों तक सीमित न रहकर फील्ड में सक्रियता से कार्य करना होगा।ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि वे मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति देखें और उपभोक्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने 1912 उपभोक्ता सेवा हेल्पलाइन का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इस नंबर पर दर्ज हर शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अनिवार्य है। शिकायतों की अनदेखी या लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई होगी।बैठक में बार–बार जलने वाले ट्रांसफार्मरों की समस्या पर गहन चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसे क्षेत्रों को तुरंत चिन्हित कर ट्रांसफार्मरों का उच्चीकरण किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को बार–बार बिजली बाधित होने की परेशानी से मुक्ति मिल सके। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता लाकर उपभोक्ताओं का भरोसा जीतना ही मुख्य लक्ष्य है।ए.के. शर्मा ने स्पष्ट किया कि विभाग का उद्देश्य केवल बिजली आपूर्ति करना नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, सुरक्षित और सतत सेवा उपलब्ध कराना है। सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण, चेयरमैन आशीष गोयल, पंकज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा सभी एमडी और जनपद स्तरीय अधिकारी ऑनलाइन जुड़े रहे।

बसों पर चालक नाम न नंबर, परिवहन विभाग बना मूकदर्शक

स्कूली बसों पर एआरटीओ का आदेश ठंडे बस्ते में

सुलतानपुर (आरएनएस)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने कई सख्त नियम बनाए थे। आदेश था कि हर स्कूल बस पर चालक व परिचालक का नाम, मोबाइल नंबर व स्कूल का नाम साफ–साफ लिखा जाए, ताकि किसी भी घटना–दुर्घटना या शिकायत की स्थिति में तुरंत जिम्मेदारी तय हो सके। लेकिन जिले में हकीकत इसके उलट है। शहर से लेकर देहात तक दौड़ रही अधिकतर स्कूल बसें नियमों को ताक पर रखकर बच्चों की जान जोखिम में डाल रही हैं। बसों पर न चालक का नाम लिखा है, न ही स्कूल का नाम और न ही आपातकालीन नंबर। हालत यह है कि अभिभावक हादसे की स्थिति में सीधे बस चालक या स्कूल तक पहुँच भी नहीं सकते। लोगों का कहना है कि एआरटीओ द्वारा दिया गया आदेश केवल कागजों तक ही सीमित रह गया है। सख्ती दिखाने के बजाय विभाग आँखें मूँदकर बसों को सड़कों पर दौड़ने दे रहा है। अभिभावकों ने मांग की है कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े इन नियमों को तत्काल सख्ती से लागू कराया जाए, वरना कोई बड़ा हादसा होने पर विभागीय लापरवाही उजागर होगी।

मोहनलालगंज पुलिस ने बेकरी में गांजा तस्करी के आरोपी को किया गिरफ्तार, 1.35 किलो अवैध गांजा बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। थाना मोहनलालगंज पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सिसेण्डी क्षेत्र में गश्त के दौरान राजा बेकरी, भौंदरी के पास स्थित बेकरी की दुकान पर छापेमारी कर 1.35 किलो अवैध गांजा और 3,000 रुपये नकद के साथ 35 वर्षीय शातिर अभियुक्त आशीष यादव को गिरफ्तार किया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने जब दुकान मालिक को पकड़ने का प्रयास किया, तो वह भागने लगा। पुलिस की सतर्कता और तेजी के चलते उसे दबोच लिया गया। तलाशी में आरोपी के बगल में रखेटीन के बक्से से गांजा बरामद हुआ। जांच में पता चला कि आरोपी लंबे समय से गांजा की छोटी–छोटी

पुड़ियां तैयार कर ग्राहकों को बेच रहा था। प्रत्येक पुड़िया की कीमत लगभग 1,000 रुपये निर्धारित थी। बरामद नकदी भी इसी अवैध कारोबार से अर्जित बताई गई।अभियुक्त आशीष यादव का रहन–सहन ग्राम मरुई, थाना मोहनलालगंज में है और वह बेकरी की दुकान चला रहा था। पुलिस ने उसकी दुकान को संबंधित विभाग से संपर्क कर सील करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।पुलिस अधिकारी बताते हैं कि आशीष यादव से पूछताछ में यह जानकारी भी प्राप्त की जा रही है कि वह गांजा किस स्रोत से खरीदता था और उसके सहयोगी कौन–कौन हैं। आगे की जांच में इस गिरोह के अन्य सदस्यों और परिवहन के साधनों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।अभियुक्त के खिलाफ छक्कै ।बज की धारा 8क्20 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक डी. के. सिंह, उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार, उपनिरीक्षक आशीष कुमार, हेड कांस्टेबल रवीन्द्र कुमार और कांस्टेबल नितीन कुमार द्वारा की गई। अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधियों और नशे के कारोबार की जानकारी तुरंत स्थानीय थाना को दें, ताकि अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके और समाज को सुरक्षित बनाया जा सके।

कार-बोलेरो ट्रक से टकराते हुए पलटी कार चालक की हुई मौत

मीरजापुर। यूपी के सरहदी इलाके से लगाएं एमपी में प्रतिबंध के बावजूद प्रतिबंध कफ सीरप की धड़ल्ले से हो रही आपूर्ति नशाखोरी को बढ़ावा देने के साथ ही साथ दुर्घटनाओं का भी कारण बन रहें हैं। मिर्जापुर जिले के ड्रमंडगंज घाटी में हुए सड़क हादसे में दुर्घटनाग्रस्त कार में भारी मात्रा में कफ सीरप बरामद होने के बाद पुलिस की आंखें फटी की फटी रह गई हैं। जानकारी के मुताबिक ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मिर्जापुर–रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी के ऊपर बरम बाबा मंदिर के आगे भलुहई घाट के सामने सोमवार की देर रात एक बजे के करीब गलत लेन से तेज रफ्तार में आ रही कार व बोलेरो ट्रक से टकराते हुए पलट गई। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पांडेय एसआइ अखिलेश यादव, सुभाष यादव ने गंभीर रूप से घायल कार चालक 22 वर्षीय राहुल साहू निवासी निवासी देवली जिला सीधी (मध्यप्रदेश) को उपचार के लिए एंबुलेंस से सीएचसी लालगंज भिजवाया। जहां से हालत गंभीर देखते हुए उसे सीएचसी से मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। मंडलीय चिकित्सालय पहुंचते ही कार चालक को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। उधर कार में भारी मात्रा में कफ सीरप बरामद हुआ है। हादसे में ट्रक सहित कार, बोलेरो क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलटे ट्रक को क्रेन से सीधा करवाया। वहीं क्षतिग्रस्त कार व बोलेरो को थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया है। वाराणसी निवासी ट्रक चालक सौरभ कुमार ने बताया कि गोरखपुर से सीरेंज लादकर केरल जा रहा था कि रात एक बजे के करीब बरम बाबा मंदिर के आगे भलुहई घाट के सामने रांग साइड से मध्य–प्रदेश की ओर से तेज रफ्तार आ रही कार व उसका पीछा करते हुए आ रही बोलेरो सामने से ट्रक से टकराते हुए डिवाइडर में टक्कर मारते हुए पलट गई। ट्रक चालक ने बताया कि दोनों वाहनों को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर ट्रक भी पलट गया। संयोग ठीक था कि हादसे में बाल बाल बच गया। ट्रक चालक ने बताया कि कार में भारी मात्रा में कफ सीरप लदा था बोलेरो में सादी वर्दी में मध्य–प्रदेश पुलिस कार का पीछा कर रही थी। कार चालक को छोड़कर कार व बोलेरो में सवार सभी लोग मौके से भाग निकले। इस संबंध में थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पांडेय ने बताया कि बरम बाबा मंदिर के आगे लहुरियादह गांव के पास गलत लेन से आ रही कार व बोलेरो ट्रक से टकराते हुए पलट गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल कार चालक को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। कार में बड़ी मात्रा में कफ सीरप बरामद हुआ है। घटना की जांच की जा रही है।

राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत अयोध्या में बन रहा जोनल आफिस

-तकरीबन 10 करोड़ की है परियोजना, माह के अंत तक हो जाएगी पूरी

-अब सीसी रोड व पेंटिंग का ही बचा है कार्य, नागरिक सुविधा केन्द्र के नाम से भी जाना जाएगा

अयोध्या।(संवाददाता) योगी सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के शहरों को आधुनिक और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए अयोध्या धाम के बाग बिगेसी क्षेत्र में राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत एक जोनल कार्यालय का निर्माण कार्य तेजी से पूरा हो रहा है। नगर विकास विभाग की ओर से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस परियोजना का 95 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है और इसे इसी माह के अंत तक पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा। यह कार्यालय न केवल प्रशासनिक कार्यों को सुगम बनाएगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए नागरिक सुविधा केंद्र के रूप में भी जाना जाएगा।इस जोनल कार्यालय में मुख्य भवन (जी+1), वाहन शेड, गैंग हट और स्टोर रूम का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब केवल सीसी रोड का निर्माण और बाउंड्रीवाल की पेंटिंग का कार्य शेष है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। यह परियोजना अयोध्या के विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी, क्योंकि यह स्थानीय लोगों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करने में मदद करेगी। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत इस जोनल कार्यालय का निर्माण अयोध्या को एक आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर बनाने की दिशा में योगी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कार्यालय न केवल प्रशासनिक कार्यों के लिए एक केंद्रीकृत स्थान प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए विभिन्न नागरिक सेवाओं, जैसे शिकायत निवारण, आवेदन प्रक्रिया और अन्य प्रशासनिक कार्यों को आसान बनाएगा। नगर आयुक्त जयेंन्द्र कुमार ने बताया की अभी तक जोनल कार्यालय राम मंदिर के गेट के सामने था। अब उसे बाग बिगेसी में शिफ्ट कर फैसिलिटेशन सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। निश्चित समयाविधि में तैयार कर लिया जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

-ध्वजारोहण कर तिरंगे को दी गयी सलामी व शहीदों को किया नमन

अयोध्या।(संवाददाता) जनपद में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शुक्रवार को तकरीबन हर भवन में तिरंगा फहराया गया। सुबह आठ बजे से बैंड बाजे और बिगुल के साथ एनसीसी और स्काउट गाइड ने प्रभात फेरी निकाली। साथ ही ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी और शहीदों को नमन किया। देर शाम तक रंगारंग कार्यक्रमों का दौर चलता रहा। आयुक्त कार्यालय पर मण्डलायुक्त राजेश कुमार, कलक्ट्रेट में जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने ध्वजारोहण किया। इसी तरह से जिला न्यायालय में जिला जज, विकास भवन में सीडीओ, सीएमओ कार्यालय में सीएमओ ने झंडारोहण किया। एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर द्वारा पुलिस लाइन परिसर में ध्वजारोहण किया गया एवं पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए प्रशस्त्रि पत्रध्प्रशंसा चिन्ह से सम्मानित किया गया। इसके अलावा जनपद के प्राइवेट व सरकारी विद्यालयों एवं संस्थानों में झंडारोहण किया गया।

गायत्री पब्लिक स्कूल रेवतीगंज में स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चौकी इंचार्ज हैरिंग्टनगंज आशीष सिंह, एस आई बीरेंद्र सिंह, समाजसेवी राजू दूबे और राधे श्याम त्रिपाठी के साथ प्रबंधक उमा शंकर शुक्ल ने संयुक्त रूप से ध्वाजारोहण किया। इसके बाद मां सरस्वती और आजादी के बीर सपूतों की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मुख्य अतिथि चौकी इंचार्ज आशीष सिंह ने कहा कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कहने के पीछे की वजह यही है कि 200 साल से गुलामी की जंजीर में जकड़े देशवासियों को आजादी दिलाने के लिये सभी जाति, धर्म और संप्रदाय के लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। राष्ट्रीय पर्वों से हमें बिना किसी भेदभाव के देश और समाज की तरक्की के लिये लगातार अच्छे प्रयास करते रहने की प्रेरणा मिलती है। इसके बाद विद्यार्थियों ने देश भक्ति, समाज, और जन्माष्टमी थीम पर अपने अभिनय से उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। प्रधानाचार्या शिखा दूबे, आर डी पाण्डेय, किरन यादव ने प्रमुखता से अपने विचार प्रकट किए। प्रभा शंकर शुक्ल,राम सूरत तिवारी, अजय यादव, शिव बहादुर शुक्ल, हरि ओम तिवारी सहित उपस्थित सभी गणमान्यों का उप प्रबंधक रमा शंकर शुक्ल ने आभार व्यक्त किया। रोटरी क्लब फैजाबाद ने वनवासी छात्रावास, बहादुरगंज, अयोध्या के बच्चों के साथ मिलकर देशभक्ति और आजादी के जज्बे को उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता रही, जिसमें छात्रों ने बड़े जोश और उमंग के साथ देशप्रेम की भावनाओं को स्वरबद्ध प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यक्त किया। कार्यक्रम में मिष्ठान वितरण का शुभ कार्य भी रोटरी क्लब फैजाबाद के सदस्यों द्वारा किया गया, जिसने बच्चों को देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करने तथा राष्ट्रप्रेम के मूल्य अपनाने के लिए प्रेरित किया व बच्चों ने पूरे हर्षोल्लास के साथ इस कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर रोटरी क्लब फैजाबाद के अध्यक्ष रो. अमित रस्तोगी एवं रोटरी सचिव रो. नीरज श्रीवास्तव ने सभी रोटरी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर सक्रिय सहभागिता निभाई और राष्ट्र के भावी कर्णधारों – इन बच्चों – को प्रोत्साहित किया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विवि के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने हेलीपैड पर ध्वजारोहण किया। इसके साथ–साथ एनसीसी कैडेटों ने तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान कुलपति ने संविधान की रक्षा के प्रति शपथ दिलाई जिसे सभी लोगों ने एक साथ दोहराया। वहीं दूसरी तरफ कुलपति के नेतृत्व में समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकों ने नेहरू लाइब्रेरी के पास फलदार एवं छायादार पौधों को लगाया गया। कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने आजादी के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हमारे अमर क्रांतिकारियों के सपनों का भारत अपना साकार रूप ले रहा है। क्रांतिकारियों की कुर्बानी को हम कभी नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास के लिए सभी को मिलकर और आपसी समन्वय से भागीदारी निभानी होगी। इस मौके पर कुलपति ने पांच परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया।

फाइलेरिया नियत्रंण अधिकारी अयोध्या कार्यालय में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया।

टीबी उन्मूलन के लिए छात्रों को किया गया जागरूक, बताएं गए बचाव के उपाय

मीरजापुर। टीबी मुक्त भारत अभियान के क्रम में जनपद में क्षय रोग विभाग द्वारा जिले को टीबी मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 19 अगस्त 2025 को जिले के जैसवर क्षेत्र के शीतल बाल निकेतन विद्यालय के बच्चे एवं बच्चियों को टीबी और एचआईवी के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक ् किया गया। इस दौरान क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा उपस्थित सभी बच्चों को टीबी के समस्त लक्षणों की जानकारी देते हुए उसके बचाव के उपाय बताए गए। बताया गया कि टीबी के मरीजों को शासन स्तर से पोषण योजना के तहत रुपया 1000 प्रति माह पूरे इलाज अवधि तक देने की सुविधा जारी है। बच्चों से आग्रह भी किया गया कि आप सभी एक सच्चे भारतीय नागरिक का कर्तव्य निभाते हुए अपने आसपास के लोगों को टीबी संबंधी बताई गई बातों की जानकारी महीने में एक दिन भी यदि देते हैं तो यह बहुत ही सराहनीय एवं जिले को टीबी मुक्त बनाने में एक बड़ा योगदान होगा। पीएमटी कोऑर्डिनेटर दुर्गेश कुमार रावत द्वारा बच्चों को एचआईवी एवं एड्स के लक्षण एवं उसके गंभीर प्रभाव से बचने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में क्षय विभाग के पंकज कुमार सिंह एवं अवध बिहारी कुशवाहा के साथ–साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र दुबे, प्रवक्ता दिनेश कुमार दुबे, ओम प्रकाश यादव, सुनील कुमार दुबे आदि मौजूद रहे।

तैयारी: विंध्याचल शारदीय नवरात्र मेला को लेकर शुरू हुई तैयारी

मीरजापुर। जिले के विंध्याचल में स्थित मां विन्ध्यवासिनी देवी के धाम विन्ध्याचल में आगामी 21, 22 सितम्बर 2025 की मध्य रात्रि से प्रारम्भ होकर 1 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले शारदीय नवरात्र मेला को सकुशल सम्पादित कराए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी सम्बन्धित अधिकारियों, कार्यदायी एजेंसियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कह कि नगर क्षेत्र व विन्ध्याचल में सड़कों की मरम्मत लोक निर्माण विभाग अभी से भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें, कि श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत विन्ध्याचल जाने वाले मार्गो पर कहीं गड्ढा आदि न हों। उन्होंने कहा कि अभी से कार्य प्रारम्भ करना सुनिश्चित करें ताकि समय रहते पूर्ण किया जा सकें। इसी प्रकार जल निगम विभाग नगरीय को निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की दिक्कत न होने पाए इसके लिए हर घर नल से जल योजना के तहत दिए गए कनेक्शन के साथ ही ओवरहेड टैंक, हैण्डपम्प आदि का निरीक्षण करते हुए मरम्मत सुनिश्चित करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि मेला के दौरान मीरजापुर के नगर व विन्ध्याचल क्षेत्र में कहीं भी गड्ढा की खोदाई व सड़कों पर खोदाई कार्य नही किया जाएगा जो भी कार्य करना हो 15 सितम्बर 2025 से पूर्व कराते हुए पूर्ण करा लें। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर को निर्देशित करते हुए कहा कि अस्थायी पेयजल व्यवस्था हेतु मेला क्षेत्र में टैंकरो की उपलब्धता के साथ ही खराब हैण्डपम्पों, नालों की मरम्मत एवं टोटियों को बढ़ाए जाने की व्यवस्था, विन्ध्याचल में नगर पालिका क्षेत्र के अन्तर्गत प्रकाश बिन्दुओं का परीक्षण एवं मरम्मत कार्य, स्वामित्वाधीन सड़को, गलियों, नालियों की मरम्मत कार्य, नाली व नालों का सफाई कार्य, प्राइवेट वाहन स्टैण्डो के स्वामियों से वार्ता कर रेट लिस्ट निर्धारित करना व वाहन स्टैण्डो को समय से संचालित कराया जाना, पूरे मेला क्षेत्र, घाटों पर अस्थायी मजबूज बैरीकेटिंग व्यवस्था, गंगा के किनारे महिलाओं के वस्त्र बदलने टेंट, इनक्लोजर की व्यवस्था, पूरे मेला क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र, खोया पाया केन्द्र, घाटों के ऊपर अस्थायी शौचालय का निर्माण सहित अन्य सभी कार्यो को समय रहते पूर्ण कराना सुनिश्चित कराएं। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित किया गया कि अष्टभुजा रैन बसेरा पर सफाई एवं वाहन स्टैण्ड की व्यवस्था, रैन बसेरा पर चिकित्सीय शिविर की व्यवस्था, ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानों की सूची तैयार करना, रैन बसेरो पर दरी को बिछवाना, अष्टभुजा व कालीखोह मन्दिरों से अतिक्रमण हटवाए जाना, पहाड़ी त्रिकोण मार्ग की मरम्मत, श्रद्धालुओं के पैदल आवागमन मार्ग को सुलभ बनाया जाना तथा अधिशासी अधिकारी अभाव शाखा जल निगम मेला क्षेत्र में अस्थायी पेयजल व्यवस्था के लिए टैंकर की व्यवस्था, अस्थायी टोटियां लगाया जाना व ओवरहेड टैंको की सफाई, नलकूपो के सही संचालन व मरम्मत सहित पूरे मेला क्षेत्र में शुद्ध जलापूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही व दवा आदि मिश्रण की व्यवस्था सुनिश्चित कराएंगें। अधिशासी अभियंता विद्युत को जर्जर तारो, खम्भों की मरम्मत अतिरिक्त ट्रांसफार्मरो की व्यवस्था, अवैध कटिया कनेक्शनों को हटवाया जाना तथा पूरे नवरात्र अवधि में अनवरत विद्युत व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। नगर मजिस्ट्रेट, सचिव विन्ध्य विकास परिषद के द्वारा तीनों मन्दिर परिसर में पाइप लगाकर पार्टीशन कराया जाना, अस्थायी विद्युत सजावट एवं ओझला पुल सजावट, तीनों मन्दिरो पर जनरेटर व्यवस्था, तीनोंमन्दिर परिसर के रंगाई पुताई सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने स्टेशन अधीक्षक रेलवे स्टेशन विन्ध्याचल को निर्देशित करते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन एवं परिसर की पर्याप्त साफ सफाई व प्रकाश व्यवस्था, शिवपुर रेलवे क्रासिंग पर टेक्नीशियन की तैनाती, रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर रैन बसेरा, पंडाल में रात्रि में रूकने हेतु सफाई व्यवस्था, महत्वपूर्ण स्थलों पर समय सारणी, डिस्प्ले बोर्ड, पूछताछ केन्द्र एवं पब्लिक एड्रेस की समुचित व्यवस्था कराया जाना सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्साधिकारी को पूरे मेला क्षेत्र में आर्युवेदिक, होम्योपैथिक, एलोपैथिक दवाओं के शिविर व चिकित्सकों की उपलब्धता, पर्याप्त एम्बुलेंस, संक्रामक रोगो के रोकथाम हेतु आवश्यक दवाओं का छिड़काव, फागिंग आदि की व्यवस्था समय से सुनिश्चित करा ली जाए। इसी प्रकार सचिव मण्डी समिति, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बाट माप अधिकारी, प्रबंधन सुलभ इण्टर नेशनल, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज, प्रभागीय वनाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, अग्निशमन अधिकारी, थानाध्यक्ष विन्ध्याचल सहित अन्य विभागो को दिए गए सूची के अनुसार अपने–अपने कार्यो को समस से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा खाद्य पदार्थो की चेकिंग भी प्रारम्भ करते हुए रेस्टोरेंट, अन्य खाद्य दुकानों की नमूने भी लिए जाएं, ताकि आने वाले श्रद्धालुओ को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

मुख्यमंत्री ने संगीता आहूजा को किया सम्मानित

अयोध्या।(संवाददाता) विधानसभा पर मुख्यमंत्री , उपमुख्यमंत्री, राजपाल व अन्य मंत्रियों सामने हुई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति जिसमें पूरे देश से 180 कलाकारों ने भाग लिया और अपनी अपनी लोक कला को प्रस्तुत किया। अयोध्या से संगीता आहूजा ने अपनी टीम के साथ बधावा लोक नृत्य प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति संस्कृति विभाग के अंतर्गत हुई और कार्यक्रम को कोरियोग्राफ एवं निर्देशन किया दिल्ली से आए संजय शर्मा ने। कार्यक्रम के पश्चात सफल एवं अच्छी प्रस्तुति के लिए मुख्यमंत्री द्वारा अपने आवास में बुलाकर पूरी टीम को सम्मानित किया गया और शुभकामनाएं दी गई। मुख्यमंत्री द्वारा कहा गया कि अयोध्या में जन्म लेना ही बहुत बड़ी बात होती है और वहां पर आप अपनी पारंपरिक कला को संजोने का प्रयास करने के साथ–साथ पूरे देश में प्रस्तुत कर रही है उसके लिए आपको और आपकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस मौके पर सुमिष्ठा मित्रा,निहारिका शर्मा, बिंदु निषाद,आंचल निषाद, अमिता ,नंदिनी ,अदिति,शिवानी, निलांशी, रंजना ,नेहा मौजूद थी।

पुण्यतिथि पर याद किए गए अटल बिहारी वाजपेई

मिल्कीपुर–अयोध्या(संवाददाता)। मिल्कीपुर के ग्राम पंचायत मीठेगांव मजरे पाठक का पुरवा में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि मनाई गई। सामाजिक संस्था उम्मीद किरण सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उनके कार्यों को याद किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फैजाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पारस पांडेय ने अटल जी को भारतीय राजनीति का युग पुरुष बताया कहा कि उनके कार्यकाल में भारत ने परमाणु शक्ति हासिल कर विश्व में अपना लोहा मनवाया और एक नए और सशक्त भारत का निर्माण किया। कार्यक्रम को समाजसेवी लाल चन्द्र चौरसिया, अरुण पाठक, सहदेव उपाध्याय, रवी तिवारी, अजय पांडेय, नरेंद्र तिवारी, पंडित शिवकुमार पाठक, संजय पाठक, दीपक पाठक आदि ने संबोधित किया।कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम त्यागी तथा अध्यक्षता शिवराज पाठक ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महंत कृष्णाचार्य जी महाराज, पंकज तिवारी, मनोज ओझा, राकेश दुबे, कृष्ण कुमार तिवारी, विजय सिंह, गजेंद्र सिंह गुड्डू, रामधीरज पाठक, नारायण दत्त गोस्वामी, पंडित शिवाकांत, कपिल दूबे, अनुज पांडेय, वरुणानंद पाठक, विजय चौबे, आदित्य ओझा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

यूरिया खाद लेने के लिए समिति पर किसानों की उमड़ी भारी भीड़

लालगंज, मीरजापुर। स्थानीय क्षेत्र के पगार साधन सहकारी समिति लहंगपुर में यूरिया खाद लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ मंगलवार को उमड़ पड़ी। रविवार शाम क्षेत्र में बारिश से यूरिया की मांग बढ़ गई है। समिति के सचिव मुनीष कुमार दुबे ने बताया कि शनिवार को एक ट्रक में 450 बोरी यूरिया खाद आई है। इसकी जानकारी किसानों को होने पर क्षेत्र के किसान समिति पर सुबह से ही पहुंच गए। समिति के सचिव ने बताया कि किसानों से आधार कार्ड, खतौनी की फोटो कॉपी जमा करवाकर बायोमेट्रिक उपकरण में फिंगर लगवाकर किसानों को यूरिया खाद दी जा रही है। खाद के लिए किसानों की भारी भीड़ की जानकारी मिलते ही जिला कृषि अधिकारी अवधेश कुमार व एडीओ कोऑपरेटिव अमित कुमार समिति पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए समिति के सचिव को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। किसानों ने आरोप लगाया कि एक बोरी खाद के लिए आधार कार्ड व खतौनी की फोटो कॉपी लेना अनुचित है। ₹20 खर्च करने पर आधार और खतौनी निकल रही है जो कि किसानों के साथ नाइंसाफी है। इस पर जिला कृषि अधिकारी ने आधार कार्ड से प्रति किसानों को दो बोरी यूरिया खाद देने का सचिव को निर्देश दिया गया।

मृत कार चालक सहित तीन के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव के पास भलुहई घाट हनुमान मंदिर के सामने सोमवार की देर रात ट्रक की टक्कर से सड़क दुर्घटना में दुर्घटनाग्रस्त कार से 954 शीशी नशीला कफ सीरप बरामद होने पर पुलिस व औषधि निरीक्षक ने मंगलवार शाम मृत कार चालक सहित तीन के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। दुर्घटना के बाद कार से थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पांडेय एसआइ सुभाष यादव,एसआइ अखिलेश यादव हेड कांस्टेबल संजय यादव, कांस्टेबल वेद प्रकाश ने कार से सौ एमएल की कोडिनयुक्त 954 शीशी विनसेरेक्स कफ सीरप बरामद किया। पुलिस की सूचना पर पहुंचे औषधि निरीक्षक संतोष कुमार पटेल ने प्रतिबंधित कोडिनयुक्त कफ सीरप की जांच की। पुलिस और औषधि निरीक्षक की तहरीर पर मृत कार चालक राहुल साहू व नीलेश विश्वकर्मा निवासी दिहुली थाना कमरजी जिला सीधी मध्यप्रदेश तथा लल्ला रावत निवासी घुम्मा जिला सीधी मध्यप्रदेश के विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पांडेय ने बताया कि मृत कार चालक सहित तीन लोगों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बर्फानीश्वर समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा को एलजी ने किया सम्मानित

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर सर्वाधिक उंचाई पर श्री बर्फानीश्वर महादेव समिति लगाती है भंडारा

बाराबंकी।(आरएनएस) अमरनाथ यात्रा का समापन हो चुका है। जनपद के लिए गर्व का विषय है कि श्री बर्फानीश्वर महादेव सेवा समिति को जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं विपरीत परिस्थितियों में भी समिति के सदस्यों द्वारा की जा रही सेवा की प्रशंसा भी की गई। आपको बता दें कि इससे पूर्व भारतीय सेना के द्वारा भी समिति को सम्मानित किया जा चुका है। मंगलवार, को नगर पालिका प्रांगण में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बर्फानीश्वर महादेव सेवा समिति के प्रधान अध्यक्ष कैलाश नाथ शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति के तत्वाधान में 12वीं बार अमरनाथ यात्रा मार्ग पर पर भंडारे का आयोजन किया गया इसके उपरांत समिति के सिवा भावों को देखते हुए जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा कटरा में आयोजित एक कार्यक्रम में समिति के कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है या प्रशस्ति पत्र समिति के प्रधान अध्यक्ष ने प्राप्त किया। कैलाश नाथ शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अमरनाथ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले तमाम भंडारों को प्रशासन ने अव्यवस्थाओं एवं सुरक्षा कारणों एवं मानक पूरा न करने के चलते रोक दिया था लेकिन समिति के सेवादारों के द्वारा की गई व्यवस्था इतनी पूर्ण रही की अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने जनपद की समिति द्वारा लगाए गए भंडारे को अनवरत जारी रखा गया जो अपने आप में गर्व का विषय है, सेवादारों की इस मेहनत को लेकर समिति के प्रधान अध्यक्ष ने उनका धन्यवाद भी ज्ञापित किया किया। उक्त प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से मूल कृष्ण तिवारी,जीतेन्द्र वर्मा, कौशल किशोर त्रिपाठी, बबलू अरोड़ा, जय प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील राठौर,अमित कश्यप राजन शर्मा,अमरेश शुक्ला, सुशील गुप्ता, जगदीश गुप्ता, विजय गुप्ता,रमेश तिवारी मौजूद रहे, समिति के मीडिया प्रभारी ने प्रेस वार्ता में आए सभी पत्रकार प्रतिनिधियों का आभार ज्ञापित किया। समिति के सदस्य राजेश अरोड़ा बब्बू ने बताया कि जो भी पत्रकार बंधु अमरनाथ की यात्रा करना चाहते है,वह अग्रिम वर्ष अमरनाथ यात्रा में जाने के लिए समिति के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं और पत्रकार बंधुओ को अमरनाथ यात्रा एवं उनके रुकने,खाने आदि की व्यवस्था समिति के द्वारा की जाएगी।

आज समिति कराएगी भंडारा

श्री बर्फानीश्वर महादेव सेवा समिति के सभी सेवादारों के सकुशल बाराबंकी आगमन के उपरांत रुद्राभिषेक का आयोजन कर अमरनाथ गुफा के प्रसाद को सेवादार श्रद्धालुओं को पहुंचाने की जिम्मेदारी भी यह समिति उठाती है जिसके चलते अमरनाथ गुफा के मुख्य प्रसाद को मिश्रित कर भंडारे का प्रसाद निर्मित कराया जाता है, इस भंडारे का आयोजन विधिवत पूजा अर्चन के उपरांत दिनांक 20 अगस्त दिन बुधवार को नगर पालिका प्रांगण में किया जाएगा।

क्रांतिकारियों की मुखबिरी, गद्दारी करने वालो का किया पुतला दहन

अयोध्या।(संवाददाता) अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय के अगुवाई में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडारोहण के बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और क्रांतिकारियों की मुखबिरी, गद्दारी करने वालो का पुतला दहन किया गया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार जनपद में कुल आठ स्थानों पर पुतला दहन का आयोजन किया गया। गांवसभा सनेथू मूसे पाण्डेय का पुरवा में पुतला दहन में विवेक पांडेय, ऋषि ओम पाण्डेय, हरि फूलपाण्डेय,जगराम चौहान, बलराम पाण्डेय रोहित कोरी सहित अन्य लोग शामिल हुए। वजीर गंज जप्ती में संस्थान के कोषाध्यक्ष अब्दुल रहमान भोलू, अंगूरीबाग में विश्व प्रताप सिंह अंशू,तेलीटोला में विनीत कनौजिया एडवोकेट विक्रम निषाद जगनपुर में इंजीनियर सुल्तान खान, उजैर खघन लाल बाग में संस्थान के अध्यक्ष जफर इकबाल सहित आठ स्थानों पर पुतला दहन किया गया। श्री पाण्डेय ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सेनानियों और क्रांतिकारी लोगों की मुखबिरी करने वाले लोगों को इतिहास माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दशहरा में रावण को तथा होलिका दहन की प्रेरणा से गत अन्य सालों से यह कार्यक्रम चौक नगर में होता रहा है। परंतु कई वर्ष प्रशासन द्वारा रोके जाने के कारण रुपरेखा बदलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि सरकार गद्दारों का पुतला दहन कार्यक्रम को नहीं रोक सकता है।

निलंबित प्रधानाध्यापक धीरज सिंह पर मुकदमा दर्ज करने को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत

मीरजापुर। जिले के नारायनपुर विकास खंड क्षेत्र अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय कंदवा के निलंबन प्रभारी प्रधानाध्यापक धीरज सिंह की शिकायत नवागत जिलाधिकारी विवेक कुमार गंगवार से करते हुए सरकारी धन के रिकवरी कर उन्हें जेल भेजे जाने की मांग की गई है। सोमवार को चुनार तहसील में समाधान दिवस अवसर पर जिलाधिकारी को कंपोजिट विद्यालय कंदवा नारायणपुर ब्लॉक के भ्रष्टाचार के आरोपी निलंबित प्रभारी प्रधानाध्यापक धीरज सिंह के कारनामों से अवगत कराया गया है। जिलाधिकारी को बताया गया है कि यह बहुत गंभीर प्रकरण है, जिसमें उचित कार्यवाही करते हुए निलंबित प्रभारी प्रधान अध्यापक के ऊपर मुकदमा दर्ज करके आगे की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, क्योंकि नई बिल्डिंग की सारी दीवारें फट गई है जो अपने आप में बहुत बड़े भ्रष्टाचार को उजागर कर रही है। साथ ही साथ और नौनिहालों के भविष्य को देखते हुए कठोरता पूर्वक कार्यवाही की आवश्यकता है, ताकि शिक्षा के मंदिर पर खर्च होने वाले सरकारी राशि के बंदरबाट को रोकने के साथ ही शिक्षा रुपी मंदिर को भ्रष्टाचार और राजनीतिक का अड्डा बनाने वालों पर भी कार्रवाई हो सकें।

22 अगस्त तक होगा पुनरीक्षण कार्य

बाराबंकी(आरएनएस)। अपर जिलाधिकारी व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अरूण कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि जनसामान्य की जानकारी हेतु राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत निर्वाचन नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण हेतु विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की संशोधित अधिसूचना के द्वारा पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण हेतु कार्यक्रम निर्गत किया गया है। ग्राम पंचायत के निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य मंगलवार से प्रारंभ हुआ है, जिसके अंतर्गत घर–घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली में परिवर्धित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानो व वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानो के निर्वाचकों के नामों की जांच और परिवर्धन का कार्य प्रारंभ हुआ है।

डेमोग्राफी मिशन से राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगा नया आधार

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दुनिया के देशों में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाती है। चीन जैसे देश तो इतने कठोर कदम उठाते हैं कि कभी पता ही नहीं चल सकता की स्वतंत्रता क्या होती है उसका पता ही नहीं चलता। अफगान सीमा पर तो गोली मार दी जाती है।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए हाईपॉवर डेमोग्राफी मिशन की घोषणा कर देश के सीमावर्ती जिलों में अवैध घुसपैठियों और अन्य कारणों से देश में आ रहे डेमोग्राफी बदलाव की समस्या के समाधान की आस बंधी है। देश के कुछ हिस्सों खासतौर से सीमावर्ती जिलों में आबादी असंतुलन से बड़ी समस्या होती जा रही है। डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक लाभ हानि की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। अपितु जो तस्वीर देश में सामने आ रही है उससे सबसे बड़ी और गंभीर समस्या सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर आ गई है। हांलाकि राजनीतिक दल वोट बैंक के चलते बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं सहित अवैध प्रवास कर रहे लोगों के पक्ष में आ जाते हैं पर यह सीधा–सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा होता जा रहा है। पिछले दिनों अमेरिका के लॉस एंजिल्स की घटना पर ध्यान दिया जाना जरुरी हैं जहां वाहनों को जलाते और लूटपाट मचाकर कानून व्यवस्था को ही तहस–नहस करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। फ्रांस में भी इस तरह की घटनाएं होती रही हैं। रवांडा, पश्चिमी वाल्मिक, यारोपीय देश आदि दुनिया के अनेक देश इस समस्या से दो चार होते रहे हैं। अमेरिका के चुनाव परिणाम किस तरह से लांस एंजिल्स में प्रभावित होते हैं वह सबके सामने हैं। हमारे देश में पश्चिमी बंगाल, असम, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, झारखण्ड आदि कई दृष्टि से प्रभावित हो रहे हैं। बांग्लादेशी, रोहिंग्या अवैध घुसपैठ कर देश के हर कोने में आसानी से पहुंच रहे हैं और जब किसी तरह की घटना होती हैं तो इनके द्वारा आंतक और अशांति फैलाई जाती है वह भी किसी से नहीं है।

दुनिया के देशों में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाती है। चीन जैसे देश तो इतने कठोर कदम उठाते हैं कि कभी पता ही नहीं चल सकता की स्वतंत्रता क्या होती है उसका पता ही नहीं चलता। अफगान सीमा पर तो गोली मार दी जाती है। क्यूबा में राजनीतिक जेल में बंद हो जाते हैं। सउदी अरब में भी जेल में बंद कर दिया जाता है। ठीक इसके विपरीत हमारे हालात है। हमारे यहां राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है। सोशल एक्टिविस्ट सक्रिय हो जाते हैं। हमारे यहां तो अवैध कब्जा, राशनकार्ड, निःशुल्क सुविधाओं से लाभान्वित करवाने वाले सक्रिय हो जाते हैं। सच में देखा जाए तो राष्ट्रीय सुरक्षा से एक तरह से लेना देना ही नहीं रहता। यही कारण है कि बांग्लादेशी हो या रोंहिग्या हो या पाकिस्तान परस्त लोग देश की सुरक्षा और अशांति फैलाने में कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। ज्योंही कहीं पर कोई कार्रवाई करने को प्रशासन आगे आता है तो इनके बचाव में मानवीयता का नारा उछालने लगते हैं। यह अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण हालात है। डेमोग्राफी का सबसे पहले प्रयोग 1855 में बेल्जियम के अकिल गुडलार्ड ने अपनी पुस्तक एलिमेंट्स ऑफ ह्यूमन डेमोग्राफी में किया। हांलाकि जनसांख्यकी की बात राबर्ट माल्थस 1766 से 1834 में कर चुके हैं और उन्होंने पूरी थ्योरी प्रस्तुत की है। डेमोग्राफिक अध्ययन को दो तरह से समझना पड़ेगा। एक तो सामान्य तौर पर जिस तरह से आयु–धर्म के आधार पर जनसांख्ययीय अध्ययन कर विकास की रुपरेखा तैयार की जाती है। यह एक तरह से इस समस्या का समाधान डेमोग्राफिक अध्ययन के परिणामों के आधार पर नीति व योजनाएं बनाकर की जाती है और की जा सकती है। इसके ठीक विपरीत जिस तरह से देश में अराजकता और अशांति फैलाने और घुसपैठ व वर्गविशेष के कारण जनसंख्या में बदलाव लाकर क्षेत्रीय असंतुलन पैदा करने का प्रयास किया जाता है वह अधिक गंभीव चिंतनीय हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डेमोग्राफी मिशन की घोषणा के निश्चित रुप से राजनीतिक अर्थ निकालने के प्रयास किये जायेंगे। इसे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक द्वारा घुसपैट और सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध मदरसों आदि द्वारा संचालित गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है उससे जोड़कर देखने का प्रयास किया जाएगा। यहां इसको भी ध्यान में रखना होगा कि अवैध घुसपैठियों द्वारा सीमावर्ती जिलों में जिस तरह से आदिवासियों की जमीन और संपत्ती पर कब्जा किया जा रहा है यह भी किसी से छिपा नहीं हैं। बीएसएफ और एसएसएफ द्वारा जिस तरह से सरकार को लगातार रिपोर्टें दी जाती रही हैं पहलीवार उसे गंभीरता से लिया जा रहा है। बीएसएफ के पूर्व एडीजी पीके मिश्रा का कहना है कि डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक चश्में से नहीं देखा जाना चाहिए। यह तो सीधा सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। आज समूचा देश डेमोग्राफिक समस्या से दो चार हो रहा है। इसे नेपाल, बांग्लादेश, सीमावर्ती इलाकों में मुसलमान और हिंदुओं की आबादी में आ रहे बदलाव आदि से देखना होगा। प्रधानमंत्री की चिंता किसी एक क्षेत्र या सीमा तक नहीं है। इसका बड़ा कारण देश में डेमोग्राफिक समस्या की गंभीरता को समझने से ही होगा। आने वाले दिनों में बिहार, बंगाल आदि में चुनाव होने हैं और राजनीतिक दल इस घोषणा को निश्चित रुप से मुद्दा बनायेंगे, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। पर धरातलीय समस्या से आंख नहीं मूंदी जा सकती। बंगाल की मुर्शिदाबाद, बिहार का किशनगंज, उत्तरप्रदेश का नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र, असम के आदिवासी क्षेत्र, पश्चिमी बंगाल और झारखण्ड के हालात सामने हैं। सीमावर्ती सहित इन क्षेत्रों में मदरसों द्वारा जिस तरह का वातावरण तैयार किया जा रहा है उससे डेमोग्राफी बदलती जा रही है। कश्मीर का उदाहरण हमारे सामने है आज कश्मीरी पंडितों का कश्मीर से विस्थापन हो चुका है।

डेमोग्राफी मिशन के पक्ष विपक्ष में अंतहिन विवाद किया जा सकता है पर दो टके का सवाल यही है कि देश को किसी भी हालत में आंतरिक व राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिये। जिस तरह से देश के कई पॉकेट्स में तेजी से डेमोग्राफिक असंतुलन बन रहा है उसे देखते हुए देरी से ही सही पर डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा स्वागतीय है। सभी को दलीय राजनीति से उपर उठकर इसका स्वागत किया जाना चाहिए। यह साफ हो जाना चाहिए कि देश की आंतरिक और सीमावर्ती सुरक्षा को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। कोई भी राष्ट्र इसे स्वीकार भी नहीं करेगा। घुसपैठियों के कारण जिस तरह की समस्याएं और आदिवासियों की भूमि पर कब्जा करने से लेकर देश की आम जनता के लिए लोक हितकारी योजनाओं में सैंध लगा रहे हैं उसे रोका जाना अतिआवश्यक हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस भावना के साथ मिशन की घोषणा की है उसी भावना और मंशा के साथ इस मिशन को आकार दिया जाना चाहिए और पूरी कार्ययोजना बनाकर इसे जल्द से जल्द से आकार दिया जाना चाहिए ताकि डेमोग्राफिक मिशन अपना कार्य आरंभ कर सके। डेमोग्राफिक संतुलन व सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही योजनावद्ध तरीके से असंतुलन के जो प्रयास किये जा रहे हैं उस पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना जरुरी है। इसे राजनीतिक विवाद से दूर ही रखा जाना चाहिए। सोशल एक्टिविस्टों को भी राष्ट्रहित को पहली प्राथमिकता देनी ही होगी।

सम्पादकीय

असहमति को दबाना अच्छा संकेत नहीं

असहमति को दबाना अच्छा संकेत नहीं है। इससे वे शक और गहरे होंगे, जिन्हें बताने के लिए विपक्षी सांसद निर्वाचन भवन तक जाना चाहते थे या जिसे जताने के लिए वे संसद में बहस की मांग कर रहे हैं।अगर 25 विपक्षी दलों के तकरीबन 300 सांसद अपनी शिकायतें बताने के लिए निर्वाचन आयोग के पास जाना चाहते थे, उन्हें बीच में रोकना किसी रूप में लोकतांत्रिक कदम नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि ये सभी निर्वाचित सांसद हैं, जो देश के एक बड़े जनमत का प्रतिनिधित्व करते हैं। संसद भवन से शुरू हुआ मार्च किसी ऐसे समूह का नहीं था, जिसके अनियंत्रित हो जाने और जिससे कानून–व्यवस्था की समस्या खड़ी होने का अंदेशा होता। लेकिन केंद्र और निर्वाचन आयोग ने जो नजरिया अपनाया, उससे लगता है कि वे विपक्ष को चुनाव प्रक्रिया में वैध स्टेकहोल्डर (हितधारक) नहीं मानते। वे उनकी बातों या शिकायतों को सुनने योग्य भी नहीं समझते! वरना, बिहार में मतदाता सूची के हुए विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में संसद में बहस की मांग केंद्र नहीं ठुकराता और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष संवैधानिक संस्था के रूप में व्यवहार करने के बजाय विपक्षी दलों के प्रति हिकारत भरा रुख नहीं अपनाता। इसी नजरिए का संकेत है कि सोमवार को एक तरफ निर्वाचन आयोग ने सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मिलने के मामले में तकनीकी रुख अपनाया, तो दूसरी तरफ प्रशासन ने बैरिकेडिंग करके और सांसदों को हिरासत में लेकर एक तरह के दमनकारी रुख का परिचय दिया। मुद्दा यह है कि देश की राजधानी में अगर निर्वाचित सांसदों को प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं है, तो फिर आम नागरिक अपने लिए क्या अपेक्षा रख सकते हैं? स्पष्टतरू असहमति के स्वर को दबाना भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

इससे वे शक और गहरे होंगे, जिन्हें बताने के लिए विपक्षी सांसद निर्वाचन भवन तक जाना चाहते थे या जिसे जताने के लिए वे संसद में इस मुद्दे पर बहस की मांग कर रहे हैं। सत्ता पक्ष एवं संवैधानिक संस्थाओं का यह दायित्व होता है कि वे ऐसे संदेहों के निवारण के लिए विश्वसनीय कदम तुरंत उठाएं। इसकी शुरुआत विपक्ष के साथ संवाद बना कर की जा सकती है, जिसका एक मौका सोमवार को निर्वाचन आयोग के पास था। लेकिन विपक्षी प्रदर्शन के प्रति सख्त और हिकारत भरा रुख अपना कर उसने यह मौका गंवा दिया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

कूटनीतिक संबंधों में तुलना

हरिशंकर व्यास

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत और पाकिस्तान की जो तुलना शुरू हुई है वह आगे भी जारी है। कूटनीतिक संबंधों में तुलना हो रही है तो वैश्विक व्यापार के मामले में भी तुलना हो रही है। सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया में भी बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के उत्पादों पर अमेरिका में पहले 29 फीसदी टैक्स लगता था, जिसे घटा कर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 19 फीसदी कर दिया है। उसके साथ अमेरिका ने तेल उत्खनन का समझौता भी किया, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियां पाकिस्तान में तेल खोजेंगी और तेल निकालेंगी। इसे लेकर ट्रंप ने तंज भी किया कि एक दिन हो सकता है कि पाकिस्तान भी भारत को तेल बेचे।

यह बड़ा मजाक है। अब पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर तीन महीने में दूसरी बार अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं। वे जून में पांच दिन के लिए अमेरिका गए थे, जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके लिए व्हाइट हाउस में लंच का आयोजन किया। अगले हफ्ते वे फिर अमेरिका जा रहे हैं। एक तरफ पाकिस्तान पर अमेरिका ने टैरिफ कम कर दिया, दूसरी ओर उसे तमाम अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से कर्ज या अनुदान दिलाया और उसके सैन्य नेतृत्व का भी अमेरिका में स्वागत किया जा रहा है।

बांग्लादेश पर राष्ट्रपति ट्रंप ने 26 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था तब भारत में इस बात पर बड़ी खुशी जताई जा रही थी। तमाम आर्थिक जानकार दावा कर रहे थे कि इससे भारत के लिए बहुत बड़ा मौका बना है। बांग्लादेश परर 26 फीसदी टैरिफ लगा दिया गया है, जबकि भारत 10 फीसदी बेसलाइन टैरिफ के साथ अमेरिका से कारोबार कर रहा है तो इसका बड़ा लाभ भारत को मिलेगा। कहा जाने लगा कि भारत अब टेक्सटाइल का पूरा बाजार कब्जा कर लेगा। बांग्लादेश के उत्पाद अमेरिका में महंगे हो जाएंगे तो भारत के उत्पादों की मांग बढ़ेगी। लेकिन दो महीने से भी कम समय में तस्वीर बदल गई।बांग्लादेश पर तो 26 फीसदी टैरिफ लगा है लेकिन भारत पर टैरिफ बढ़ कर 50 फीसदी हो गया यानी बांग्लादेश से लगभग दोगुना। तो अब क्या होगा? अब तो अमेरिकी बाजार में भारत के टेक्सटाइल उत्पादों के लिए जो भी जगह थी वह बांग्लादेश को जा सकती है। हालांकि बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह इसका लाभ उठाए लेकिन अगर वहां राजनीतिक स्थिरता होती तो वह भारत पर लगाए गए भारी भरकम टैरिफ का लाभ उठा सकता था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जैसे पाकिस्तान पर लगने वाला टैरिफ 29 से घटा कर 19 फीसदी किया उसी तरह भारत के एक अन्य पड़ोसी श्रीलंका पर लगने वाला टैरिफ भी 24 फीसदी से घटा कर 20 फीसदी कर दिया। यह कमाल की बात है कि जब राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार दुनिया के देशों पर जैसे को तैसा टैरिफ की घोषणा की तो श्रीलंका पर 44 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया। बाद में ट्रंप ने इसे घटा कर 30 फीसदी किया और अंत में 31 जुलाई की वार्ता के बाद अमेरिका ने श्रीलंका के निर्यात पर टैरिफ घटा कर 20 फीसदी कर दिया। हालांकि श्रीलंका से अमेरिका का निर्यात बहुत कम है। वह करीब तीन अरब डॉलर का निर्यात अमेरिका को करता है। लेकिन माना जा रहा है कि टैरिफ की दर कम होने के बाद उसका निर्यात बढ़ेगा। दिलचस्प बात यह है कि श्रीलंका भी अमेरिका को सबसे ज्यादा टेक्सटाइल और रबड़ से बने उत्पादों का निर्यात करता है। इस तरह अमेरिका के टेक्सटाइल बाजार पर बांग्लादेश, श्रीलंका और कुछ हद तक वियतनाम की भी नजर होगी।

राहुल के आरोप की खिलाफत घर से

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया। अपने आरोप के समर्थन में मीडिया के सामने सबूत भी पेश किये। इस मुद्दे पर विपक्ष के दलों ने राहुल गांधी का खुलकर समर्थन किया। अफसोस की बात यह कि वोट चोरी के आरोपों को लेकर चुनाव आयोग के साथ बीजेपी को घेर रही कांग्रेस पार्टी के अंदर ही दरार सामने आई है। गत 11 अगस्त को कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों के सांसदों ने दिल्ली में निर्वाचन सदन तक मार्च निकाला। विपक्षी दलों की एकता मजबूत हो रही थी लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया, तो इधर कर्नाटक में सिद्धारमैया की अगुवाई वाली सरकार में मंत्री केएन राजन्ना ने अपने नेता राहुल गांधी के लोकसभा चुनावों में वोट चोरी के दावों का सार्वजनिक रूप से खंडन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने शासनकाल के दौरान मतदाता सूची में अनियमितताओं को दूर करने में विफल रही। राजन्ना की टिप्पणी पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थकों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने राजन्ना पर पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया। राजन्ना ने इसके बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

कांग्रेस में यह सब ऐसे समय हो रहा है जब चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से कथित धांधली के सबूत मांगे हैं।

कर्नाटक के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना को सीएम सिद्धारमैया का समर्थक माना जाता है। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों के बीच ऐसा बयान दिया है कि इससे कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राजन्ना ने कहा है कि हमें याद रखना चाहिए कि मतदाता सूचियों में संशोधन तब किया गया था जब हमारी अपनी सरकार सत्ता में थी। हमारी पार्टी ने तब आंखें क्यों मूंद लीं? यह सच है कि अनियमितताएं हैं, लेकिन यह हमारे लिए अपमानजनक है कि यह हमारी नाक के नीचे हुआ। उन्होंने पार्टी सहयोगियों को याद दिलाते हुए कि चुनाव आयोग ने मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित करने के बाद आपत्तियां आमंत्रित की थीं। राजन्ना ने कहा कि मतदाता सूची जैसे मुद्दों पर समय पर कार्रवाई करना हमारी जिम्मेदारी बनती है। हमें तब आपत्तियां उठानी चाहिए थीं, खासकर महादेवपुरा के मामले में जहां कई गड़बड़ियां हुई हैं। जब हमें बात करनी थी तब चुप रहने के बाद, अब हम इस बारे में बात कर रहे हैं।

राजन्ना का बयान ऐसे वक्त पर आया है जब लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों को लेकर बेंगलुरु से दिल्ली तक राजनीति गरमाई हुई। पिछले हफ्ते बेंगलुरु में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में आयोजित एक रैली में उन्होंने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर पक्षपात का आरोप लगाया और बेंगलुरु सेंट्रल जैसे प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी की हार के लिए मतदाता सूचियों में विसंगतियों को जिम्मेदार ठहराया था। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से मिलकर बीजेपी पर सीट चोरी का आरोप लगाया था। राजन्ना के बयान को बीजेपी लपक सकती है। उनका यह बयान डीके समर्थकों को पसंद नहीं आया है। कुनिगल के विधायक एचडी रंगनाथ ने कहा कि राज्य सरकार ने वोट चोरी के मामले की जांच करने का फैसला किया है और महाधिवक्ता से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने आगे कहा कि जांच पूरी होने से पहले ही अपनी ही पार्टी और सरकार के खिलाफ नकारात्मक बातें करना अक्षम्य है। आलाकमान को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और ऐसी पार्टी विरोधी गतिविधियों पर रोक लगानी चाहिए।

वोट चोरी पर मचे घमासान का केंद्र बिंदु कर्नाटक और यहां की बेंगलुरु लोकसभा सीट है। राहुल गांधी के आरोपों के जवाब में बीजेपी और आयोग के पलटवार पर डीके शिवकुमार की प्रतिक्रिया सामने आई है। डीके शिवकुमार ने गत 11 अगस्त को कहा कि चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को लेकर हम सब साथ हैं। कर्नाटक के उप–मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि चुनाव आयोग ने नोटिस दिया है जो हमें अभी तक नहीं मिला है। उन्हें केस दर्ज करने दीजिए। हम इस देश की जनता की आवाज हैं। हमने काफी रिसर्च के बाद देश की जनता को जानकारी भी दी है।

बहरहाल, कर्नाटक सरकार में मंत्री के एन राजन्ना ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों को लेकर अपनी पार्टी के स्टैंड के खिलाफ बयान दिया था। सिद्धारमैया सरकार में सहकारिता मंत्री राजन्ना के बयान का डीके शिवकुमार कैंप ने तीखा विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि पार्टी आलाकमान उनके बयान को देखे। राजन्ना ने कहा था कि लोकसभा चुनावों में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हमारी पार्टी की सरकार में हुई। उन्होंने सवाल खड़ा किया था कि तब हम कहां थे, हम अब आवाज क्यों उठा रहे हैं। राजन्ना के इस बयान को लेकर कांग्रेस में दरार सामने आई थी। सिद्धारमैया समर्थक माने जाने वाले के एन राजन्ना कर्नाटक में सहकारिता मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। राजन्ना अपने साफगोई के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों के मुद्दे पर अपनी खुलकर राय रखी थी जो पार्टी के स्टैंड से बिल्कुल अलग थी।

के एन राजन्ना (74) सिद्धारमैया के पहले कार्यकाल में भी मंत्री बने थे। अब 11 अगस्त को उन्होंने वोट चोरी के मुद्दे पर ऐसी टिप्पणी की थी जिसने कांग्रेस के अंदर ही वोट चोरी पर दरार खड़ी कर दी थी। राजन्ना की टिप्पणी पर डीके शिवकुमार समर्थक भड़क गए थे। विवाद के तूल पकड़ने के कुछ घंटे बाद राजन्ना ने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। कुल सालों को छोड़ दें तो राजन्ना अपने राजनीतिक जीवन में ज्यादातर समय कांग्रेस में ही रहे हैं। वह कर्नाटक में सहकारिता क्षेत्र में बड़ी हस्ती माने जाते हैं।

राजन्ना ने राहुल गांधी के वोट चोरी आरोपों के बीच कहा था कि मतदाता सूची कब तैयार हुई थी? यह हमारी सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई थी। उस समय, क्या सब लोग आंखें मूंदकर चुपचाप बैठे थे? उन्होंने आगे कहा कि ये अनियमितताएं हुईं, यह सच है। ये हमारी आंखों के सामने हुईं और हमें शर्म आनी चाहिए। हमने तब कोई कार्रवाई नहीं की, और हमें भविष्य में और भी सतर्क रहना होगा।उन्होंने जोर देकर कहा कि नेताओं का कर्तव्य है कि वे मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन के समय समय पर आपत्तियां उठाएं। बजाय इसके कि वे चुप रहें और बाद में मुद्दे उठाएं। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनावों में धांधली के आरोपों के लिए बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट का मुद्दा उठाया था। वहां के आंकड़ों के जरिए आयोग और बीजेपी को घेरा था। इसके बाद राहुल गांधी ने अगले दिन बेंगलुरु जाकर वोट अधिकार रैली भी की थी। राजन्ना का बयान भाजपा के लिए हथियार बन सकता है। (हिफी)

छूट पाएगा विवाद से पिंड़!

काफी रस्साकशी के बाद वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर का कॉरिडोर बनने का रास्ता साफ हो गया। योगी सरकार ने इस मंदिर के प्रबंधन के लिए न्यास भी गठित कर दिया जिसमें मंदिर की बागडोर अब पूरी तरह सरकार के हाथ में है। मंदिर के सेवायत गोस्वामियों की परंपरा से चले आ रहे दो समूहोंदृराजभोग सेवा अधिकारी और शयन भोग सेवा अधिकारीदृमें से मात्र एकदृएक प्रतिनिधि इस न्यास का सदस्य रहेगा। ६ इस पूरे विवाद में वृंदावन का समाज दो भागों में बंटा हुआ हैं। एक तरफ हैं सेवायत गोस्वामी और उनके परिवारॉ बिहारीपुरा के बाशिंदे और आसपास के दुकानदारॉ जिनकी संपत्तियां प्रस्तावित कॉरिडोर के दायरे में आ रही हैं। दूसरी तरफ वृंदावन के आम नागरिक और बाहर से आने वाले दर्शनार्थी। जहां पहला पक्ष कॉरिडोर के विरु द्ध आंदोलन करता आया हैॉ वहीं दूसरा पक्ष कॉरिडोर का स्वागत कर रहा है। इस विषय में बहुत से गोस्वामीगण ने मुझसे भी संपर्क किया और इस विवाद में मेरा समर्थन मांगा। कई कारणों से मैं इस मामले में उदासीन रहा। इसकी वजह यह थी कि २००३दृ०५ के बीच जब मैं इस मंदिर का अदालत द्वारा नियुक्त रिसीवर यानी प्रशासक था तो मैंने मंदिर की अव्यवस्थाओं को सुधारने का सफल प्रयास किया था पर गोस्वामियों का सहयोग नहीं मिला। ३० जूनॉ २००३ को मैंने बिहारी जी के मंदिर का कार्यभार संभाला और एक अगस्त को हरियाली तीज थी। इस दिन उत्तर भारत से लाखों भक्त स्वर्ण हिंडोले में बैठे श्री बांके बिहारी जी के दर्शन करने आने वाले थे। मंदिर के कुछ पुराने गोस्वामियों ने मुझे चुनौती दी कि मैं यह व्यवस्था नहीं संभाल पाऊंगा। ६ ठाकुर जी पर निर्भर होकर चुनौती स्वीकार की और पता लगाया कि क्यादृक्या समस्याएं आती हैं। सबसे बड़ी समस्या थीॉ बिहारी जी तक जाने वाले पांचों मार्गों से आने वाली अपार भीड़। दूसरी समस्या थीॉ मंदिर के प्रवेश द्वार पर जूतेदृचप्पलों का पहाड़ बन जाना। तीसरी समस्या थीॉ लोगों की जेब कटना और सोने की चेन खिंचना। चौथी समस्या थीॉ महिलाओं के साथ भीड़ का दुर्व्यवहार। मैं फौरन दिल्ली गया और छतरपुर स्थित कात्यानी देवी के मंदिर के प्रबंधक तिवारी जी से मिला। जो हर नवरात्रि पर लाखों दर्शनाद्दथयों की भीड़ संभालते थे। उन्होंने बताया कि एसपीजी के कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी भीड़ प्रबंधन की एजेंसी चलाते हैं। इसके बाद उनसे संपर्क किया और उन्हें वृंदावन बुलाया। मथुरा के तत्कालीन जिलाधिकारी सुधीर श्रीवास्तव और एसएसपी सतेन्द्र वीर सिंह से लगभग दो सौ सिपाही मांगे और इतने ही स्वयंसेवक अपने संगठन 'ब्रज रक्षक दलश के बुलाए। इन चार सौ लोगों को मोदी भवन में भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशिक्षित किया। इस कार्य में मान मंदिर के युवा साधुओं का विशेष सहयोग मिला। बिपिन व्यास ने सुझाव दिया कि मंदिर आने और जाने का एकदृएक ही मार्ग रखा जाए और बाकी मार्ग बंद कर दिए जाएं। इसके अलावॉ विद्यापीठ के चौराहे पर दस हजार टोकन के साथ जूता घर बनाया गया जिसमें सेवा करने चांदनी चौक दिल्ली के युवा व्यापारी आए। ६ एसपीजी के अधिकारियों ने मंदिर के प्रांगण से विद्यापीठ चौराहे तक पूरे मार्ग को दस सेक्टरों में बांट दिया और वॉकीदृटॉकी से हर सेक्टर के दर्शनार्थियों को क्रमानुसार आगे बढ़ाया। महिलाओं और बुजुर्गों की सहायता के लिए हमने हर सेक्टर में 'ब्रज रक्षक दलश के स्वयंसेवक तैनात किए गए। इन सब व्यवस्थाओं का परिणाम हुआ कि न तो किसी की जेब कटीॉ न धक्कादृमुक्की हुईॉ न चप्पलदृजूते खोएॉ बल्कि बूढ़े और जवान सबको बड़े आराम से दर्शन हुए। इस हरियाली तीज के कई दिन बाद तक मुझे मुंबईॉ कलकत्ता और अन्य शहरों से परिचित भक्त परिवारों के फोन आते रहे कि जैसी व्यवस्था बिहारी जी में इस बार हुई ऐसी पहले कभी नहीं हुई। कहने का तात्पर्य है कि भीड़ कितनी भी हो दर्शन की व्यवस्था सुधारी जा सकती थी। मंदिर प्रबंधन की दूसरी चुनौती थी चढ़ावे की राशि का ईमानदारी से आकलन और उसे बैंक में जमा कराना। इसमें काफी गड़बड़ी की शिकायत आती थी। मंदिर की आमदनी भी बहुत कम थी। एक वरिष्ठ गोस्वामी का मुझे फोन आया कि मैं हर महीने दो दानदृपात्र अपने लिए अलग करवा लूं। सुन कर धक्का लगा। लेकिन इसे एक चेतावनी मान कर मैंने एक नई व्यवस्था बनाई। मंदिर के प्रांगण में जहां गुल्लकें (दानपत्र) खोली जाती थीं वहां विडियो कैमरे लगवा दिए और प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्कता बरतने के लिए वहां बिठा दिया। परिणाम यह हुआ कि पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा दानराशि गुल्लकों से निकली जिसे बैंक में जमा करा दिया गया। ६ बिहारी जी के मंदिर की व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से मैंने वाजपेई सरकार में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जगमोहन जी को वृंदावन बुलाया। उन्होंने मेरे साथ बिहारी जी के मंदिर का विस्तृत दौरा किया और अगले ही दिन दिल्ली से एएसआई और सीपीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों के मुझे फोन आने लगे किॉ 'मंत्री जी ने हमें आदेश दिया है कि आपके जो निर्देश होॉ उनके अनुसार मंदिर की व्यवस्था को सुधारने में सहयोग करें।श इससे मंदिर में हलचल मच गई। मुझे कुछ गोस्वामियों के गुमनाम फोन आएॉ जिन्होंने धमकी दी कि मैं मंदिर की व्यवस्था में कोई बदलाव न करूं। मैंने श्री रमेश बाबा से पूछा कि क्या करूंध वे बोलेॉ 'ब्राह्मणों के पेट पर लात मारने वाला दीर्घ काल तक 'रौरव नर्कश में फेंक दिया जाता है। तुम ये मत करो।श उनका यह रु ख देख कर तब मैंने इस दिशा में प्रयास करना बंद कर दिया। किंतु मंदिर की दैनिक व्यवस्था में जितना सुधार कर सकता था किया। फिर यह सोच कर कि मुझे अपनी ऊर्जा संपूर्ण ब्रज के विकास पर लगानी चाहिएॉ एक मंदिर में उलझ कर नहीं रहना चाहिए। ६ इसलिए २२ महीने बाद २००५ में मैंने स्वतः ही बिहारी जी के मंदिर के रिसीवर पद से त्यागपत्र दे दिया। मैं ऋणी हूं बिहारी जी कॉ संतों कॉ अपने ब्रजवासी बंधुओं का और बाहर से आने वाले दर्शनाद्दथयों कॉ जिन्होंने इस कार्यकाल में मेरी विनम्र सेवा को स्वीकार किया और सराहा। अगर मंदिर के सभी आदरणीय गोस्वामीगण २००३दृ०५ में मंदिर की व्यवस्थाओं को स्थाई रूप से सुधारने के लिए निष्काम भावना से किए जा रहे मेरे ठोस प्रयासों में सहयोग करते तो कदाचित यह स्थिति न आतीध।

खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दमखम

लालगंज, प्रतापगढ़। न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अव्वल रहे विजेताओं को ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया। क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय पूरे रामचंद्र में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में खो खो, कबडडी, लंबी कूद, ऊंची कूद, दौड़ आदि प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। खो खो प्रतियोगिता में मोठिन को हराकर प्राथमिक विद्यालय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय खण्डवा की टीम विजेता बनीं। वहीं कबडडी प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय पूरे श्याम सिंह की टीम ने खण्डवा को हराकर जीत का खिताब अपने नाम किया। दौड़ प्रतियोगिता में पूर्व माध्यमिक विद्यालय जसमेढ़ा की टीम विजेता बनीं। खण्ड शिक्षा अधिकारी रविशंकर ने विजेता टीम व खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर शिक्षिका रेनू सिंह, निसार अहमद, देवप्रताप मिश्र, बृजेन्द्र नारायण पाण्डेय, उमेशचंद्र शुक्ल, नीतीशधर द्विवेदी, विकास कुमार, कंचन मिश्रा, शालिनी जायसवाल, राजेन्द्र कुमार, शिवकुमार शर्मा, इंद्रपाल, सुमित शुक्ल, शिवकुमारी, सुरेश साहू, सुनील उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

वांछित धराया, भेजा गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। छेडछाड मारपीट व धर्म परिवर्तन के मुकदमें में वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। दिल्ली क्षेत्र की एक युवती ने सांगीपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि प्रेमजाल में फंसाकर सांगीपुर थाना क्षेत्र के पिचूरा गांव निवासी सददाम ने उसके साथ विवाह किया और उसका धर्म परिवर्तन करा दिया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी उसके जेवरात व नकदी लेकर अब दूसरी शादी करने की तैयारी में है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी व उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एसओ मनीष त्रिपाठी ने बताया कि मुख्य आरोपी सददाम पुत्र हामिद अली को उसके गांव के पास से गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया।

मारपीट में दो पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रास्ते के विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के तिवारी का पुरवा उमरार गांव की सुधा देवी पत्नी स्वर्गीय कमलाकांत ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि रास्ते के विवाद को लेकर रामकिशोर, निरंजन ने मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

युवती के अपहरण का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। युवती को अगवा करने की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के पीड़ित का आरोप है कि बीती ग्यारह अगस्त को सुबह करीब चार बजे उसकी अठारह वर्षीया बेटी शौच के लिए घर से बाहर गयी थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव निवासी इंद्रजीत सरोज उर्फ भुल्ले पुत्र राजाराम उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया। पीड़ित ने बेटी के साथ अनहोनी की आशंका भी जतायी है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मृतक आश्रित को बैंक ने सौंपा दो लाख का चेक

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत सगरा सुंदरपुर बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा सगरा सुंदरपुर ने मृतक आश्रित को मुआवजे का चेक सौंपा। चेक पाकर मृतक आश्रित के चेहरे पर राहत भरी खुशी दिखी। लीलापुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर गुलरहा गांव के सूरज सरोज भारतीय स्टेट बैंक सगरा सुंदरपुर में खाताधारक थे। बैंक की ओर से उसका चार सौ छत्तीस रुपये का बीमा भी किया गया था। सूरज सरोज की बीते अठारह मार्च 2025 को एक दुर्घटना में असामयिक मौत हो गयी थी। इसकी जानकारी होने के बाद बैंक शाखा की ओर से मृतक के पिता बैजनाथ सरोज को दो लाख रुपये का चेक सौंपा गया। योजना से लाभान्वित होने पर मृतक आश्रित ने बैंक प्रबन्धन के प्रति आभार जताया। शाखा प्रबन्धक सुशील कुमार दुबे ने कहा कि सरकार की यह कल्याणकारी योजना है। हर खाताधारक को चार सौ छत्तीस रुपये का बीमा अवश्य कराना चाहिए। जिससे किसी प्रकार की घटना होने पर आश्रित को उसका लाभ मिल सके। इस मौके रोकड़ अधिकारी सपना राजपूत एवं समस्त स्टाफ तथा सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य बालेंद्र कुमार ओझा आदि मौजूद रहे।

भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं सत्यता से बैर नहीं:श्याम

आजमगढ जिला के सगड़ी तहसील पर तैनात उप जिला अधिकारी श्याम ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ? भ्रष्टाचारियों की सैर नहीं और सत्यता से बैर नहीं। उन्होंने सगड़ी तहसील मे तैनात सभी विभाग के कर्मचारी यों को मीडिया के माध्यम से निर्देशित करते हुए कहा कि आप लोग अपने कार्य को सही तरीके से अंजाम दें ताकि सरकार पर कोई बदनामी ना आए, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारी ऐसे हैं जो अपने गलत कार्यों से पूरे विभाग को बदनाम कर देते हैं जिसके चलते उच्च अधिकारियों के साथ–साथ सरकार को भी बदनामी का सामना करना पड़ता है इसलिए सगड़ी तहसील में पोस्टेड कोई भी कर्मचारी यदि अवैध कार्य करते हुए पकड़ा गया तो उसके साथ सख्त से सख्त कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी जिससे सरकार द्वारा चलाई जा रही समाज के लिए हर योजनाओं का फायदा समाज को सही तरीके से मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी विभाग के कर्मचारी की शिकायत जनता द्वारा हम तक पहुंचती है ।

आटो-स्कार्पियो की भिड़ंत में ड्राइवर की मौत,नशे में धुत था स्कार्पियो चालक

वाराणसी,सांवाददाता। वाराणसी रफ्तार स्कॉर्पियो ने सवारियां भरकर तरह से कार में घुस गया। ऑटो में चालक शीशे और सीट के बीच दब चार लोग गंभीर रूप से घायल हो आसपास के लोग जुटे और पुलिस घायलों को दीनदयाल अस्पताल (40) निवासी आयर चोलापुर को गया। अन्य घायलों में नरेंद्र कुमार और आनंद (55) निवासी तिलमपुर के सर्किट हाउसदृभोजूबीर मार्ग पर सोमवार की देर रात तेज जा रही ऑटो में टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर में ऑटो पूरी सवार लोग बाहर जा गिरे तो कुछ अंदर ही फंस गए। ऑटो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ऑटो में सवार गए और लहूलुहान होकर अचेत हो गए। हादसे के बाद को सूचना दी। जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और भिजवाया। वहीं गंभीर रूप से घायल महिला सविता भारती प्राथमिक उपचार के बाद बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया (40) निवासी आयर चोलापुर, राहुल (25) निवासी राजापुर सिंधोरा शामिल हैं। अस्पताल में उपचार के बाद सुधार आया तो ऑटो चालक की पहचान का प्रयास किया गया। पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक ऑटो चालक की पहचान टोटो नंबर के आधार पर की जा रही है। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई।हादसे के बाद सड़क पर अफरा–तफरी मच गई। सर्किट हाउस–भोजूबीर मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस को व्यवस्था सामान्य करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तेज रफ्तार वाहनों पर रोक लगाने, शराब पी कर वाहन चलाने पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। हादसे के बाद पहुंचे एसीपी कैंट ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने, शराब पीकर ड्राइविंग करने और जानलेवा दुर्घटना के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

गंगा का जलस्तर 12 घटे से स्थिर घाटों पर जमा सिल्ट की वाटर प्रेशर से सफाई

वाराणसी,सांवाददाता। वाराणसी में गंगा का जलस्तर पिछले 12 घंटे से स्थिर है। मंगलवार सुबह 6 बजे जलस्तर 66.9 मीटर दर्ज किया गया। अभी भी सभी घाटों का संपर्क टूटा है। हरिशचंद्र घाट पर गली और मणिकर्णिका घाट की छत पर शवदाह हो रहा है। कानपुर के गंगा बैराज से भी 1.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यह पानी 5 से 7 दिनों में प्रयागराज से होकर काशी पहुंचेगा। इससे जलस्तर एक बार फिर बढ़ने की आशंका है। वाराणसी अपने खूबसूरत घाटों के लिए जाना जाता है, लेकिन इन दिनों गंगा घाटों पर बदसूरती का नजारा देखने को मिल रहा है। बाढ़ के गाद गंगा का जलस्तर कम हुआ तो घाटों पर सिल्ट और दलदल मिट्टी की मोटी परत जम गई है। यह सिल्ट श्रद्धालुओं और पर्यटकों की राह में भी बड़ी बाधा बन चुकी है। नगर निगम के अलावा स्थानीय दुकानदार और पुरोहित लोग भी सिल्ट को वाटर प्रेशर से साफ करा रहे हैं। गंगा किनारे बसे प्रमुख घाटों पर सिल्ट का अंबार देखा जा सकता है। घाटों की सीढ़ियों और सतह पर जमी यह गाद इतनी मोटी है कि श्रद्धालुओं को गंगा स्नान करने में कठिनाई हो रही है। वहीं, पर्यटक इस गाद में धंस जा रहे हैं, जिससे उन्हें असुविधा और खतरे की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अभी भी सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क बाढ़ के कारण टूटा हुआ है। नगर निगम वाराणसी के पीआरओ संदीप ने बताया कि गंगा का जलस्तर हाल ही में घटा है, लेकिन संभावना बनी हुई है कि पानी का स्तर एक बार फिर से बढ़ सकता है। ऐसे में अभी युद्धस्तर पर सफाई अभियान शुरू नहीं किया जा रहा है। हालांकि, जिन घाटों पर पर्यटकों की आवाजाही अधिक है, वहां सफाई का कार्य चल रहा है। निगम का कहना है कि यदि गंगा का जलस्तर स्थिर रहा तो आने वाले दिनों में सभी घाटों पर तेज गति से सफाई अभियान चलाया जाएगा।

राहुल गांधी के अमेरिका में सिख समुदाय के बारे में दिए गए बयान को लेकर 25 अगस्त को वाराणसी में होगी सुनवाई

वाराणसी,सांवाददाता। वाराणसी के एमपी,एमएलए कोर्ट में बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय के बारे में दिए गए बयान को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 25 अगस्त निर्धारित की है। अधिवक्ता विवेक शंकर तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव ने स्थगन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इसका विरोध करते हुए वादी पक्ष ने तर्क दिया कि धारा 173(4) के तहत विपक्षी को सुनने का कोई औचित्य नहीं है। इस पर न्यायालय ने कहा कि अगली तारीख, 25 अगस्त को इस मुद्दे पर पुनः बहस होगी। गौरतलब है कि पिछले वर्ष सितंबर में अमेरिका दौरे के दौरान राहुल गांधी ने भारत में सिख समुदाय के संबंध में एक बयान दिया था। इस बयान के खिलाफ वाराणसी के तिलमापुर निवासी नागेश्वर मिश्रा ने याचिका दायर की थी। तिवारी ने बताया कि नागेश्वर मिश्रा ने न्यायिक मजिस्ट्रेट (द्वितीय) की अदालत में वाद दायर किया था, जिसे अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एमपी,एमएलए) की कोर्ट ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया था। इसके बाद नागेश्वर मिश्रा ने सत्र न्यायालय में निगरानी याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने 21 जुलाई को स्वीकार कर लिया था। इसी प्रकरण में अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी।

अगस्त क्रांति में भारत छोड़ो अंतिम पड़ाव और अंतिम हथियार था- प्रो रीता जोशी

शहीद महावीर प्रसाद की शहादत पर पुलिस बैंड वादन और दीपदान

प्रयागराज।(सांवाददाता) 17 अगस्त 1942 को शहीद हुए महावीर जी की शहादत में आज शहीदवॉल पर बोलते हुए प्रोफेसर गीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि अगस्त क्रांति में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान सबसे ज्यादा शहादत हुई साथ ही यह आजादी का अंतिम पड़ाव और अंतिम हथियार था। उन्होंने कहा कि शहीद वॉल एक दीवार नहीं है बल्कि यह हमारा इतिहास है। एक व्यक्ति की मेहनत के फल स्वरुप आज हम अपने पूर्वजों का इतिहास जान पा रहे हैं।उन्होंने आगे कहा की भारत छोड़ो आंदोलन के समय ही गांधी जी ने कह दिया था कि अब कोई समझौता नहीं होगा । उन्होंने कहा कि पूरे भारत में घर–घर से लोग सड़क पर आकर अंग्रेजों का विरोध करने लगे जिसके कारण से अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा हम। विस्मृत शहीदों के लिए इस सरकार ने एक पुस्तक बने उन्हें ढूंढ ढूंढ कर निकल गया उनके बारे में जानकारी एकत्र की गई।इस अवसर पर शहीदवॉल के संस्थापक वीरेंद्र पाठक ने बताया कि आज 17 अगस्त को प्रयागराज के लाल महावीर प्रसाद में आजादी के लिए अपना बलिदान दिया था वह किरदार निवासी थे। शहीद महावीर प्रसाद के सम्मान में पुलिस बैंड वादन किया गया बाद में सभी ने दीपदान करके शहीदों को नमन किया।इस अवसर पर सुनीता सत्येन्द्र चोपड़ा सभासद, राकेश कुमार तिवारी उप नियंत्रण नागरिक सुरक्षा अभिषेक शुक्ला, मो आमिर अनुपम श्रीवास्तव, जूही श्रीवास्तव, अनवर खान शिशिर गुप्ता प्रमुख थे।

करोड़ों के फर्जी भुगतान को लेकर मंडलायुक्तका किया घेराव

प्रयागराज विकास प्राधिकरण बना भ्रष्टाचार हब-

प्रयागराज(सांवाददाता)। प्रयागराज विकास प्राधिकरण में महाकुंभ के नाम पर कई करोड़ों का भुगतान अधिशासी अभियंता कौशलेंद्र चौधरी अभियंता विवेक गुप्ता द्वारा ठेकेदार को बिना कार्य किया फर्जी भुगतान किया गया। ,चांस नेता अजय यादव सम्राट द्वारा शिकायती पत्र देने के बाद वह कार्य अब आनन फानन में कराया जा रहा है। इसका भुगतान जून माह में ही हो चुका है। इसके बारे में पूरे तथ्य और प्रमाण के साथ आज मंडलायुक्त कार्यालय का घेराव किया गया।इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ भवन सैकड़ो के तादाद में छात्रों ने आज सुबह 11रू00 बजे पैदल मार्च करते हुए मंडलायुक्त कार्यालय का किया तथा अपर मंडलायुक्त को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया की प्रयागराज विकास प्राधिकरण में प्रशासनिक अधिकारी अधिशासी अभियंता कौशलेंद्र चौधरी अभियंता विवेक गुप्ता एवं अन्य अभियंताओं के विरुद्ध कार्रवाई हेतु सबसे पहले उनके सभी पावर सीज कर दिए जाएं। जांच के लिए एक उच्च स्तरीय स्तरीय कमेटी गठित की जाए। अधिशासी अभियंता कौशलेंद्र चौधरी और अभियंता विवेक गुप्ता को किसी अन्य विभाग में अटैच किया जाए। जिससे जांच प्रभावित न हो सके। इन्हीं मांगों के साथ ज्ञापन सोपा गया तथा यह चेतावनी भी दी गई यदि शीघ्र शीघ्र इस भ्रष्टाार के खिलाफ मंडल आयुक्त द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती तो हम लोग सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ने का कार्य करेंगे।इस मौके पर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे समाजवादी छात्र सभा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट अजय सम्राट, राष्ट्रीय सचिव सचिन यादव, छात्र नेता अभिषेक यादव, यश कुशवाहा विकास यादव, सिद्धार्थ कुमार गोलू, राहुल सरोज, आलोक तिवारी, मनीष, नवनीत, अभिषेक मिश्रा, प्रणव चंद्र, प्रमोद, आंचल, अथर्व, अंकित, प्रदीप, अभिषेक कुमार, सोनू कुमार, अभिनव, बृजेश, विश्वजीत प्रजापति आदि लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली से एफ एम जी ई (एनएमसी) परीक्षा पास कर चमका लालगंज का लाल,क्षेत्र में खुशी की लहर

आजमगढ़। लालगंज तहसील क्षेत्र के बैरीडीह गांव निवासी डॉ. मिर्जा शफी बेग पुत्र मिर्जा इरफान बेग ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चीन में छह वर्षों तक एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली में आयोजित फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएशन एग्जाम (एफएमजीई), जो नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) द्वारा आयोजित की जाती है, इसमें शानदार सफलता प्राप्त की।

बुधवार को घोषित परिणाम में डॉ. शफी बेग के उत्तीर्ण होने की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव–क्षेत्र से लेकर जिले तक उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।प्राप्त समाचार के अनुसार डॉ. शफी बेग छह भाइयों में सबसे छोटे हैं। उनके बड़े भाई डॉ. मिर्जा आदिल बेग एमबीबीएस,एमडी हैं। उनके अन्य भाइयों मिर्जा राशिद बेग, पत्रकार मिर्जा तारिक बेग, मिर्जा सलीम बेग, मिर्जा फहीम बेग को भी इस खुशी के मौके पर ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। अपनी सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए डॉ. शफी बेग ने कहा कड़े संघर्ष और कठिन परिश्रम के बाद परीक्षा पास करना मेरे लिए गर्व और खुशी का क्षण है। मैं अपने जिले में रहकर ही लोगों की सेवा करना पसंद करूंगा। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे लालगंज क्षेत्र और आजमगढ़ जिले के लिए गौरव का विषय बन गई है।

काशी में मारीशस के पीएम संग मोदी करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

वाराणसी,सांवाददाता। वाराणसी में आगामी 11 सितंबर को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता प्रस्तावित है। मॉरीशस के पीएम 09 सितंबर से 15 सितंबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। चार महीने बाद दोनों देश के पीएम की मुलाकात हो रही है। इससे पहले पीएम मोदी 11 मार्च को दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस गए थे। पीएमओ से सूचना मिलने के साथ ही आयोजन के लिए जिला प्रशासन फास्ट हो गया है। दोनों देशों के बीच होने वाली बैठक में व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। केंद्र के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल होंगे। केंद्र सरकार ने वाराणसी मंडल के कमिश्नर एस राजलिंगम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिला प्रशासन कार्यक्रम स्थल के चयन, अतिथियों के ठहरने, स्वागत सत्कार की तैयारियों में जुट गया है। वाराणसी में 06 वर्ष पूर्व 2019 में 21 से 23 जनवरी तक 15वां प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन किया गया था। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि मॉरीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ थे। पीएम मोदी के साथ काशी में वह विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए थे।इसके बाद प्रविंद जगन्नाथ दो वर्ष पूर्व 11 सितंबर को काशी आए थे अपने रिश्तेदार की अस्थियां गंगा में प्रवाहित करने।मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अपने वाराणसी दौरे के दौरान विश्वनाथ धाम, कालभैरव मंदिर, सारनाथ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय भी जाएंगे। मॉरीशस के पीएम के सम्मान में यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ डिनर पार्टी देंगे। पीएम संग दोनों देश की सरकारों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

सॉंप के डसने से आठ वर्षीय बालिका की मौत,

आजमगढ़ । अहरौला थाना क्षेत्र के पूरारामजी गाँव में मंगलवार सुबह छः बजे सर्प ने डस लिया। जानकारी होने पर स्वजन उसे फूलपुर उपचार के लिए ले गये वहाँ से जबाब हो जाने के बाद जौनपुर जिले के शाहगंज स्थित एक निजी चिकित्सालय में ले गए जहां डाक्टर में उसे मृत घोषित कर दिया।उसके बाद स्वजनों ने उसका अंतिम संस्कार बरामदपुर स्थित मंजूषा नदी के किनारे कर दिया।श्रेया शर्मा पुत्री संदीप शर्मा अपनी मां के कहने पर छत पर गमले में लगे फूल को पूजा करने के लिए तोड़ने गई थी। उसके छत पर सेम की झाड़ फैली हुई है। जैसे ही वह फूल तोड़ना शुरू किया उसके बाद सॉंप ने उसके बाएं पैर में डस लिया। उसके बाद वह रोते हुए छत से उतर कर स्वजनों को इसकी जानकारी दिया। उसके बाद अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।।

मानक विपरीत हो रहे काम के लिए लोगो ने किया विरोध प्रदर्शन

आजमगढ़ ,अहरौला ब्लॉक के सहुवल ग्राम में बन रहे खेल मैदान

वा पाठशाला के बाउंड्री वॉल में मानक विपरीत हो रहे काम को लेकर आज ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और मानक अनुरूप काम कराने की मांग की । बताते चले की सहुवल ग्राम सभा में खेल मैदान वा पाठशाला की जमीन पर बाउंड्री वाल का काम ग्राम प्रधान सोविन्द राजभर के द्वारा कराया जा रहा है । जिसको लेकर आज ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुवे कहा की काम मानक विपरीत कराया जा रहा है हम लोग की एक ही माग है की काम मानक के अनुरूप हो । वही जब इस संबंध में ग्राम प्रधान सोविन्द राजभर से पूछा गया तो उन्होंने बताया की पूर्व में कुछ लोगो के द्वारा इस जमीन पर कब्जा कर दुकान चलाया जा रहा था जिसको मैंने बाउंड्री वॉल बनवाने के लिए खाली करवा दिया था ताकि बच्चे यहां आ कर खेल सके इसी कारण ये लोग अब ये इल्जाम लगा रहे है जो निराधार है । इस संबंध में विकास खण्ड अधिकारी विनीत यादव ने बताया की जांच कर कार्यवाही की जाएगी । इस दौरान जैनेंद्र सिंह ,अजीत सिंह बद्रीनाथ , शक्ति सिंह, मदन , शैलेंद्र , सत्यम सहित अन्य लोग मौजूद रहे

दो दिन पहले मनबढो द्वारा भाजपा नेता का ट्रैक्टर से घर गिराने और पीड़ित पक्ष की जमीन कब्जा करने के मामले में थानाध्यक्ष ने खुद मौके पर पहुंचकर जेसीबी से कराया खाली

आजमगढ़। जनपद की बिलरियागंज थाना अंतर्गत भावारायपुर गांव में दो दिन पहले दबंगों द्वारा भाजपा नेता व शक्ति केंद्र संयोजक ओमकार गौंड के घर को ट्रैक्टर से गिराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा पीड़ित पक्ष द्वारा थाने बिलरियागंज मंडल अध्यक्ष रूद्रप्रकाश राय तथा मंडल महामंत्री सूर्य प्रकाश मिश्रा के साथ पहुंचकर विपक्षी जियाउद्दीन और सदरुद्दीन तथा कुछ अज्ञात लोगों द्वारा घर गिराने व मारपीट करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराया। जिसको लेकर बिलरियागंज थाना अध्यक्ष सुनील दुबे मय हमराह मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए आरोपियों कि तलाश करने लगे आरोपी् घर छोड़कर फरार है। पुलिस द्वारा कई जगह दबिस देते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया के तहत पाबंद किया गया और घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर को थाने पर लाकर सीज कर दिया गया। मंगलवार दोपहर को बिलरियागंज थाना अध्यक्ष सुनील दुबे के नेतृत्व में लेखपाल के साथ मौके पर पहुंचकर अभियुक्तों द्वारा पीड़ित पक्ष की जमीन में कब्जा करते हुए गुमटी रखी गई थी। जिसको पुलिस प्रशासन गुमटी को हटवा कर अभियुक्त की जमीन में रखवा दिया गया। थाना अध्यक्ष सुनील दुबे द्वारा लेखपाल से कहा गया कि पीड़ित की जमीन पैमाइश के द्वारा चिन्हित करके पीड़ित की बाउंड्री कराते हुए विवाद को समाप्त कराया जाए। पूर्व में विपक्षियों द्वारा ट्रैक्टर से भाजपा नेता का घर गिराने की घटना पूरे जनपद में चर्चा का विषय बनी हुई है। उसी दिन से सूचना मिलते ही मौके पर पार्टी के नेता राधेश्याम सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, सत्येंद्र राय, श्री कृष्ण पाल, रूद्रप्रकाश राय, सूर्य प्रताप लाल श्रीवास्तव, सूरज प्रकाश राय, हरिकेश राजभर, संतोष पासवान, अमरजीत सरोज उमेश गौड़, विशाल सेठ, दीपक मिश्रा, अशोक मौर्य आदि सैकड़ो लोगों का आना जाना लगा रहा। वार्ता के दौरान पीड़ित ओमकार गोंड ने बताया कि मैं पुलिस प्रशासन की कार्यवाही से संतुष्ट हूं।

माडल ग्रामों में प्रतिदिन किया जाय कूड़ा कलेक्शन

गोरखपुर।(संवाददाता)

उपनिदेशक(पंचायत) गोरखपुर मण्डल की अध्यक्षता में खुले में शौच मुक्त ग्रामों में ओडीएफ स्थिरता बनाए रखने के साथ साथ सभी प्रकार के ठोस एवं तरल अपशिष्ट(कचरे) के प्रबंधन हेतु ग्राम पंचायतों में ई–रिक्शा के माध्यम से प्रतिदिन डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन कर निर्मित आर.आर.सी. में संग्रहण एवं सेग्रीगेट करने के लक्ष्य को पूर्ण करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों के सचिवगण के साथ बैठक किया गया।जिसमें सहजनवा, पिपरौली, पिपराइच,जंगल कौड़ियां, गोला,पाली,सहित विभिन्न विकास खण्डों के सचिव ग्राम पंचायत को सभी आवश्यक टिप्स देते हुए प्रतिदिन डोर–टू– डोर कूड़ा कलेक्शन किए जाने का निर्देश दिया गया। उपनिदेशक (पंचायत) द्वारा इस कार्य को आरम्भ करने तथा इसकी निरंतरता हेतु ग्राम सभा की बैठक कर सभी को जागरूक करने एवं ई–रिक्शा के संचालन सहित इस कार्य में कार्यरत कर्मी के पारिश्रमिक हेतु राज्य वित्त आयोग के टाइड फंड सहित सेग्रीगेट किए जाने वाले कूड़ा (अजैविक पदार्थ) की बिक्री तथा बर्मी कंपोस्ट आदि के माध्यम से धनराशि का प्रबन्ध किए जाने का सुझाव भी दिया गया।अंत में उपनिदेशक (पंचायत) द्वारा समस्त उपस्थित सचिवगण को यह भी निर्देशित किया गया कि उनके द्वारा बनाए गए वॉट्सएप ग्रुप पर प्रतिदिन डोर– टू–डोर कूड़ा कलेक्शन कराते हुए फोटोग्राफ्स अनिवार्य रूप से पोस्ट किया जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

दो माह तैयार हो जाएगा यूपी का पहला एसआई एचएम

गोरखपुर,(संवाददाता)प्रदेश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) दो माह में तैयार हो जाएगा। योगी सरकार द्वारा गोरखपुर में 48.39 करोड़ रुपये की लागत से बनवाए जा रहे एसआईएचएम के पहले फेज का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है। पर्यटन विभाग द्वारा अगले माह के अंत तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराया जाना लक्षित किया गया है। बीते कुछ सालों में गोरखपुर का टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर तेजी से आगे बढ़ा है। यहां कई बड़े ब्रांड के होटल्स, रेस्टोरेंट खुल चुके हैं और कई खुलने की प्रक्रिया में हैं। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कुशल पेशेवरों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में प्रदेश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) बनवा रहे हैं। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के कार्यालय के सामने बन रहे एसआईएचएम का निर्माण सितंबर माह तक पूरा हो जाएगा और अगले शैक्षिक सत्र से यहां होटल एंड टूरिज्म मैनजमेंट से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री के पाठ्यक्रम संचालित होने लगेंगे। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पर्यटन विभाग का प्रोजेक्ट है। इसका निर्माण कार्यदायी संस्था के रूप में सी एंड डीएस यूनिट–14 द्वारा कराया जा रहा है। इस परियोजना पर निर्माण कार्य 26 सितंबर 2023 को प्रारंभ हुआ था। वर्तमान समय में 38.42 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च कर 95 प्रतिशत कार्य पूरे कर लिए गए हैं और इसी साल 25 सितंबर तक कार्य पूर्ण किया जाना है। निर्माण के पहले चरण में दो ब्लॉकों में प्रशासनिक कक्ष, क्लास रूम, कॉमन हाल, किचन के अलावा अंडरग्राउंड पार्किंग, इलेक्ट्रिफिकेशन, फायर सेफ्टी, पाइपलाइन आदि के कार्य पूर्ण कराए जा रहे हैं। उप निदेशक पर्यटन राजेंद्र प्रसाद यादव बताते हैं कि कि स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट का निर्माण कार्य अगले माह (सितंबर) तक पूरा हो जाएगा, इस समय फिनिशिंग का काम चल रहा है। अगले माह के बाद कभी भी इसका लोकार्पण हो सकता है।

उम्मीद जताई जा रही है कि अगले शैक्षिक सत्र से यहां ग्लोबल डिमांड के अनुरूप होटल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी मैनजमेंट के कोर्स शुरू कर दिए जाएंगे। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में कोर्स शुरू हो जाने के बाद युवाओं को रोजगारपरक पढ़ाई के लिए नए विकल्प मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से गोरखपुर में जिस तरह से पर्यटन विकास हो रहा है उससे होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में रोजगार के अवसर भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

दूसरे चरण में ब्वॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल का भी निर्माण शुरू

स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के दूसरे चरण के निर्माण में ब्वॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल बनाया जा रहा है। दूसरे चरण की परियोजना के निर्माण पर 46.81 करोड़ रुपये की लागत आएगी। निर्माण कार्य 15 मई से शुरू है। फिलहाल निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति 14 प्रतिशत है। पर्यटन विभाग को उम्मीद है कि मई 2027 तक कार्य पूरा करा लिया जाएगा। एसआईएचएम प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में 128 रूम का पांच मंजिला ब्वॉयज हॉस्टल और 84 रूम का पांच मंजिला गर्ल्स हॉस्टल बनाया जा रहा है।

प्रत्येक सेमेस्टर में होगा कम से कम एक ‘स्वयं’ पाठ्यक्रम, एनईपी 2020 के अनुरूप डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

गोरखपुर(संवाददाता)राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अब प्रत्येक विभाग को प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम एक ‘स्वयं’ (।ल।ड) पाठ्यक्रम का प्रावधान करना होगा यह उल्लेखनीय है कि यूजीसी के निर्देशों के अनुसार छात्र ‘स्वयं’ पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने कुल पाठ्यक्रम क्रेडिट का 40 प्रतिशत तक अर्जित कर सकते हैं। विश्वविद्यालय सदैव राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करता रहा है और इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक सेमेस्टर में ऐसा पाठ्यक्रम चुना जाए, जिसे छात्र वैकल्पिक रूप से ले सकें। इसमें शैक्षणिक संवर्द्धन पाठ्यक्रम (एईसी) और कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) भी शामिल किए जा सकते हैं।कुलसचिव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इन पाठ्यक्रमों को संबंधित बोर्ड ऑफ स्टडीज से स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। विभागाध्यक्ष और विभागीय मेंटर की जिम्मेदारी होगी कि वे छात्रों को इन पाठ्यक्रमों के बारे में पूर्ण जानकारी दें और नामांकन में सहयोग करें।इस अवसर पर कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत ‘स्वयं’ जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग छात्रों को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। यह पहल विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिदृश्य को और समृद्ध करेगी।स्वयं के समन्वयक प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने बताया कि इस पहल से छात्रों को न केवल विषयगत ज्ञान मिलेगा, बल्कि वे आधुनिक कौशलों से भी सुसज्जित होंगे, जिससे उनकी रोजगार संभावनाएँ बढ़ेंगी।

गगहा के मुस्ताक की मौत पर चढ़ा सियासी पारा

सपा के वरिष्ठ नेता जफर अमीन डक्कू के साथ पीड़ित परिवार पहुंचा एसएसपी कार्यालय

दोषियों पर कार्रवाई व एसओ गगहा की भूमिका संदिग्ध, जांच की मांग

गोरखपुर (संवाददाता) गोरखपुर के गगहा थाना क्षेत्र के ठिठौली में सड़क के किनारे 15 अगस्त को 48 वर्षीय मुस्ताक की लाश मिली,अगले दिन 16 अगस्त को मुस्ताक मारने पीटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ हालांकि वायरल वीडियो कि हम पुष्टि नहीं करते हैं लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया मृतक मुस्ताक की बेटी की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज करके पांच आरोपियों को हिरासत में लिया गया।

मुस्ताक की मौत पर सियासी पर चढ़ा हुआ है आज 19 अगस्त को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जफर अमीन डक्कू के साथ पीड़ित परिवार सिविल लाइन स्थित एसएसपी कार्यालय पहुंचा हालांकि एसएसपी की गैर मौजूदगी में एस पी सिटी से पीड़ित परिवार मिला और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई पीढ़ी परिवार का आरोप है कि एसओ गगहा की भूमिका संदिग्ध है इसकी भी जांच होनी चाहिए। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के तीन–चार दिन पहले से ही मुस्ताक एक मामले में थाने का चक्कर लगा रहा था और मुस्ताक की गाड़ी भी थाने पर मौजूद थी।

घटना के संबंध में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जफर अमीन डक्कू को ने कहा कि यह घटना सीधे–सीधे मॉम लांचिंग है 10–20 लोग मिलकर एक व्यक्ति को बुरी तरीके से मारपीट रहे हैंऔर उसकी मौत हो जाती है पुलिस इस मामले में गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करती है जबकि यह सीधे–सीधे हत्या का मुकदमा बनता है गगहा थाना प्रभारी की भूमिका संदिग्ध है। उसकी भी जांच होनी चाहिए मुस्ताक के मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद आनन फानन में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है जबकि इस घटना में दर्जनों लोग शामिल थे हमारी प्रशासन से मांग है कि इस घटना में जो लोग भी शामिल है उन पर करी कार्रवाई होनी चाहिए और कोई भी इस घटना में निर्दोष जेल ना भेजा जाए। हमारी गुजारिश है कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

रसड़ा में ”वर्षा ट्रेडर्स“ का अवैध गोरखधंधा! करोड़ों का पैकिंग कारोबार, किसकी सरफरस्ती में चलता है काला कारोबार ?

रिपोर्ट – संजीव कुमार बाबा

बलिया । जिले का रसड़ा कोतवाली क्षेत्र इन दिनों एक बड़े खाद्य घोटाले की चपेट में है। अंजनी के चबूतरा के पीछे गुपचुप तरीके से चल रही फैक्ट्री ”वर्षा ट्रेडर्स” नाम से जुड़े पैकिंग कारोबार पर इलाके में गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यहां ”वर्षा स्पेशल गरम मसाला” के नाम से मसालों की पैकिंग कर करोड़ों का माल तैयार किया जाता है और इसे धड़ल्ले से कई प्रांतों में भेजा जा रहा है।

करोड़ों की सप्लाई, पर प्रशासन बेखबर

स्थानीय सूत्र बताते हैं कि इस फैक्ट्री में रोजाना गाडियों में लोडिंग का काम चलता है। बोरियों से मसाला निकलता है, बिना किसी गुणवत्ता जांच के उसे पैक कर दिया जाता है और तैयार पैकेट सीधे ”वर्षा ट्रेडर्स” के नाम से बड़े डीलरों तक पहुंचा दिए जाते हैं। अनुमान है कि हर महीने करोड़ों रुपये का कारोबार यहां से होता है, लेकिन न पुलिस, न खाद्य विभागकृकिसी की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ती?

मोहल्ले के लोग परेशान

आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि दिन–रात चलने वाली इस गतिविधि से इलाके में धूल, गंध और लगातार गाडियों की आवाजाही ने माहौल खराब कर दिया है। एक बुजुर्ग ने नाराजगी जताते हुए कहाकृ

“ये कारोबार मोहल्ले के बीचोबीच चल रहा है, बच्चे बीमार हो रहे हैं और प्रशासन चुपचाप तमाशा देख रहा है। क्या आम जनता की सेहत की कीमत पर यह व्यापार फल–फूल रहा है?“

गुणवत्ता पर बड़े खतरे

बताया जाता है कि मसालों में मिलावट कर खतरनाक रंग और केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। खुले में रखे मसाले, गंदी बोरी और बिना मानक पैकिंग लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह के मसालों का लंबे समय तक इस्तेमाल कैंसर, पेट की बीमारियां और एलर्जी जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है।

किसका संरक्षण ?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि

क्या रसड़ा पुलिस और प्रशासन को इस फैक्ट्री और ”वर्षा ट्रेडर्स” के कारोबार की जानकारी नहीं?

खाद्य सुरक्षा विभाग ने अब तक एक बार भी यहां जांच क्यों नहीं की?

इतने बड़े स्तर का कारोबार बिना किसी सियासी या अफसरशाही संरक्षण के कैसे चल रहा है?

जनाक्रोश बढ़ा

स्थानीय व्यापारियों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि यह कारोबार तुरंत बंद नहीं हुआ तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। जिलाधिकारी और एसपी से मांग की गई है कि तुरंत छापेमारी कर इस गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो।

आखिर जनता पूछ रही है३

क्या प्रशासन की आंखों पर पर्दा डाल दिया गया है?

क्या ”सत्यम स्पेशल गरम मसाला” और ”वर्षा ट्रेडर्स” के नाम पर स्वास्थ्य से खिलवाड़ होता रहेगा?

और कब तक करोड़ों का यह अवैध कारोबार बेधड़क चलता रहेगा ?

अगले एपिसोड में खुलेगा राज , किस किस प्रान्तों में करता है सप्लाई ,कितने लोग करते है मसाला को भरने में काम

बलिदान दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन, तीन मंत्रियों ने किया भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ

रिपोर्ट – संजीव कुमार बाबा

बलिया(संवाददाता) बलिया में बलिदान दिवस के अवसर पर प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु व परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने गंगा बहुद्देशीय सभागार में मंगलवार को दीप प्रज्वलित व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही तीनों मंत्रियों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम विचार पाण्डेय एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के 49 परिवारों को साल एवं किचन सेट देकर सम्मानित किया गया, और 19 अगस्त 1942 की बलिया बलिदान दिवस की डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई।

प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने बलिया की माटी को श्रद्धा पूर्वक नमन करते हुए स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को याद किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम में उन्होंने 1857 की क्रांति से लेकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन तक के बलिया के योगदान को रेखांकित किया।मंत्री ने कहा, ”अगर 1857 की क्रांति सफल हो जाती, तो आज इतिहास कुछ और होता। लेकिन जब 1942 में महात्मा गांधी जी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की, तब बलिया देश का वह पहला जिला बना, जिसने अंग्रेजी हुकूमत को 14 दिनों तक सत्ता से बाहर कर दिया। यह माटी मंगल पांडे, चिंटू पांडे, कुंवर सिंह, महानंद मिश्रा और मां गायत्री देवी जैसी विभूतियों की है।” उन्होंने आगे कहा कि बलिया न केवल स्वतंत्रता संग्राम में बल्कि स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र के हनन के विरुद्ध भी अग्रणी भूमिका में रहा है। ”यह वह भूमि है, जहां हर बार जब देश ने पुकारा, बलिया ने बलिदान दिया। आज भी 1942 की घटनाएं एक–एक दिन की तरह जीवंत हो उठीं,” उन्होंने कहा। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई नाट्य और सांस्कृतिक झांकियों की प्रशंसा करते हुए मंत्री ने कहा कि ”ऐसे मंचन हमें हमारे इतिहास से जोड़े रखते हैं। आज का कार्यक्रम मानो स्वतंत्रता संग्राम के दिनों को फिर से जीवंत कर गया। बच्चों ने जो जोश और भावनात्मक प्रस्तुति दी, वह अद्वितीय थी।” उन्होंने प्रशासन और आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रयास नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का एक सराहनीय कदम है। उन्होंने उपस्थित स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को भी नमन किया और कहा कि उनका होना आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मंत्री ने एक प्रेरणादायक पंक्ति के माध्यम से अपने उद्बोधन का समापन किया। ष्क्या यूं ही मंजिलें मिलती हैं, लाखों चिराग जले तब जाकर सुबह आई है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि बलिया की ऐतिहासिक भूमिका और स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदानों को याद करते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मंत्री ने बताया कि बलिया का गौरवशाली इतिहास अब केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसे भव्य और स्थायी स्मारकों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ”चार वर्षों से जब से मैं बलिया का जनप्रतिनिधि बना हूं तब से मैंने देखा कि बलिदान दिवस पर सिर्फ एक प्रतीकात्मक जेल का फाटक खोला जाता था और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित कर टाउन हॉल ले जाया जाता था। लेकिन 19 अगस्त 2022 को जब मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बलिया आए, तो मैंने उनसे निवेदन किया कि बलिया की इस महान क्रांति को स्थायी स्वरूप दिया जाए। साथ ही 19 अगस्त 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलिया मेंमेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया, और साथ ही चिंटू पांडे स्मृति संस्थान के लिए भी दो एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इस स्थल पर क्रांतिकारियों की स्मृतियों को सहेजने का कार्य किया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी को बलिया की विरासत से प्रेरणा मिल सके।दयाशंकर सिंह ने बलिया के योगदान को याद करते हुए कहा, ”चिंटू पांडे वो क्रांतिकारी थे, जिन्होंने आजादी का पहला उद्घोष किया था। उनके नाम पर बनने वाला स्मृति स्थल हमारी संस्कृति और इतिहास को सहेजने का केंद्र बनेगा।”उन्होंने कहा कि बलिया में ध40 करोड़ की लागत से एक ग्रीनफील्ड परियोजना विकसित की जा रही है, जो आने वाले समय में बलिदान दिवस को और भी भव्य बनाने में सहायक होगी। उन्होंने घोषणा की कि 2026 में बलिया बलिदान दिवस का आयोजन पहले से भी अधिक ऐतिहासिक और शानदार रूप में किया जाएगा।मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि ”पिछले तीन घंटे से जो हमने देखा, सुना, अनुभव किया वह अद्भुत था। बच्चों ने जिस मेहनत और समर्पण से प्रस्तुति दी, वह सराहनीय है। उनके शिक्षकों का भी हृदय से आभार जो इस कार्यक्रम को इस स्तर तक ले आए। उन्होंने बलिया की ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहचान पर बल देते हुए कहा कि जब भी दुनिया में कोई हमारा परिचय पूछता है, तो सबसे पहले हम गर्व से कहते हैं कि हम ”बागी बलिया” के निवासी हैं। उन्होंने कहा यह केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। इस मिट्टी में जन्म लेना सौभाग्य की बात है, और इस मिट्टी का कर्ज हमें अपने कर्मों से चुकाना होगा। साथ ही मंत्री ने तहसील बैरिया, सिकंदरपुर और बलिया की अन्य तहसीलों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि हर क्षेत्र की अपनी क्रांतिकारी कहानी है। बलिया की ध रती ने हमेशा भारत को दिशा दी है चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम हो, राजनीति हो या समाज सुधार का आंदोलन हो, और बलिया की महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा जब क्रांति का समय आया, तब महिलाओं ने घर में जो मिला, उसी को हथियार बना लिया। उनके साहस और बलिदान के बिना बलिया का बलिदान अधूरा होता। उन्होंने ग्रामीण जनता को भी नमन किया जिन्होंने बिना किसी नेतृत्व के, अपने साहस और संकल्प से इतिहास रच दिया। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुति को ”पूरी ईमानदारी और देशभक्ति से परिपूर्ण” बताते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक मंचन से युवा पीढ़ी अपने गौरवशाली अतीत से जुड़ती है। उन्होंने कहा कि आज जो भी संदेश इन कार्यक्रमों से निकला है, वह केवल एक संवाद नहीं, बल्कि गहराई से सोचने और समझने का विषय है। उन्होंने कहा कि बलिया की यह परंपरा आज भी लोगों को प्रेरित कर रही है और भविष्य में भी यह धरती देश को दिशा देती रहेगी। जय हिंद! भारत माता की जय!” के नारों के साथ कार्यक्रम का वातावरण राष्ट्रभक्ति से गूंज उठा।

बच्चों की प्रस्तुति से भावविभोर हुए मंत्री, 06 टीमों को 11–11 हजार रुपए से किए पुरस्कृत

बलिया बलिदान दिवस के अवसर पर गंगा बहु देसी सभागार में विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत एवं चित्तू मंगल पांड्येय पर नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें सरस्वती वंदनाध नित्य सनबीम स्कूल अगरसंडा, देश भक्ति गीत तेरी मिट्टी में मिल जावा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बलिया, गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज बलिया, द होराइजन स्कूल गड़वार, महर्षी वाल्मिकी विद्यालय काजीपुर बलिया एवं संकल्प साहित्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान के द्वारा गीत नाटक प्रस्तुत किया गया, जिस पर तीनों मंत्रियों ने 06 टीमों को 11000–11000 रुपए पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, सीडीओ ओजस्वी राज, सीआरओ त्रिभुवन सिंह, जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संत कुमार गुप्ता उर्फ मिठाई लाल, डीडीओ, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी रामविचार पाण्डेय एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार एवं महिला आयोग के सदस्य सुनीता सिंह, जयप्रकाश साहू, विभिन्न विद्यालय के छात्र–छात्राओं आदि उपस्थित रहे।

भातखडे संस्कृति विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाएगा डा. गौरी शंकर चौहान द्वारा डिजाइन किया गया लोगो

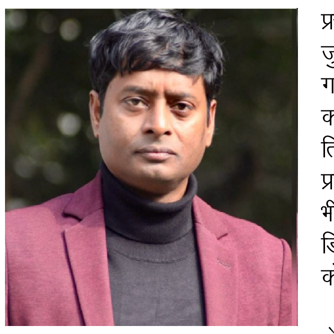

गोरखपुर। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, कला, संगीत, नृत्य एवं विद्या को एक सशक्त और आधुनिक दृश्य पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय स्तर लोगो डिजाइन प्रतियोगिता–2025 का परिणाम घोषित कर दिया है। प्रतियोगिता में देशभर से प्राप्त 451 प्रविष्टियों में से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के ललित कला एवं संगीत विभाग के आचार्य प्रोफेसर डॉ. गौरीशंकर चौहान द्वारा तैयार लोगो को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया और इसे विश्वविद्यालय का आधिकारिक प्रतीक चिन्ह के रूप में अंगीकृत किया गया।

लखनऊ मेंहोगा सम्मान समारोह

प्रतियोगिता के परिणाम की औपचारिक घोषणा एवं विजेता लोगो का विमोचन उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसी अवसर पर प्रोफेसर डॉ. गौरीशंकर चौहान को लखनऊ में औपचारिक रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि ”भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ का नया लोगो प्रदेश की गहन सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक आकांक्षाओं का संतुलित प्रतीक है। यह विश्वविद्यालय की गरिमा को और अधिक ऊँचाइयों तक ले जाएगा।”

प्रतियोगिता और चयन प्रक्रिया

इस रचनात्मक पहल के अंतर्गत कलाकारों डिजाइनरों एवं संस्कृति–प्रेमियों को आमंत्रित किया गया था कि वे उत्तर प्रदेश की शास्त्रीय संगीत, नृत्य, कला एवं लोक कलाओंकी गौरवशाली विरासत को केंद्र में रखते हुए अपने डिजाइन प्रस्तुत करें। प्रतियोगिता का आयोजन 4 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक किया गया। प्रतिभागियों में देशभर के पेशेवर कलाकार, डिजाइनर, छात्र एवं संस्कृति– प्रेमी रचनाकार शामिल रहे। प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 300 शब्दों का विवरण भी आमंत्रित किया गया था, जिसमें डिजाइन की सांस्कृतिक प्रासंगिकता को स्पष्ट किया गया।

डॉ. गौरी शंकर चौहान का बहुमुखी योगदानडॉ. चौहान इससे पूर्व भी कला और डिजाइन के क्षेत्र में अपनी सृजनात्मकता का लोहा मनवा चुके हैं। वे जयपुर राजा महेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय, अलीगढ़ तथा देवी मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के लोगो का डिजाइन कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने मलेशिया के राष्ट्रपति भवन के इंटीरियर डिजाइन का कार्य भी सफलतापूर्वक संपन्न किया है। उनके कार्यों में भारतीय संस्कृति की गहराई के साथ–साथ वैश्विक दृष्टिकोण की झलक भी देखने को मिलती है।

विश्वविद्यालय परिवार की शुभकामनाएँ

इस उपलब्धि पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष की लहर है। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने बधाई देते हुए कहा कि ”यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। डॉ. चौहान की इस उपलब्धि से प्रेरणा लेकर अन्य शिक्षक एवं छात्र भी नयी ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगे।”अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर अनुभूति दुबे तथा ललित कला एवं संगीत विभाग की अध्यक्ष एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी प्रोफेसर उषा सिंह ने भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

फर्जी डाक्यूमेंट पर 9 हजार ने लिया पीएम आवास का लाभ

प्रयागराज(सांवाददाता)। गरीबों को घर बनानेके लिए सरकार एक लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक मदद करती है, लेकिन जिले में ऐसे लोग भी हैं जिनके पास दो मंजिला मकान है और वो फर्जी दस्तावेज लगाकर सरकारी मदद ले रहे हैं। जबकि उन्हें आवास की जरूरत ही नहीं है। इसका खुलासा तब हुआ जब पहली किस्त देने के बाद विभागीय टीम ने सर्वे किया तो, जिले के अलग–अलग गांवों में लगभग नौ हजार लोग ऐसे मिले जिनके पास पहले से आवास थे। अब उनसे रिकवरी कराई जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को आवास बनाने के लिए एक लाख 20 हजार रुपये दिया जाता है।

दीक्षाउत्सव के क्रम में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित महिला हुनर हाट के माध्यम से विश्वविद्यालय ने महिला स्वावलंबन को सशक्तगति देने का प्रयास किया है: प्रो पूनम टंडन-कुलपति

गोरखपुर(संवाददाता) आज महामहिम कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से तथा कुलपति प्रो पूनम टंडन के मार्गदर्शन में, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 44वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में महिला अध्ययन केंद्र एवं वी.एस. फाउंडेशन के, संयुक्त तत्वाधान से ”वूमेन्स हुनर हाट” का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गृह विज्ञान विभाग में सुबह 11रू00 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजवंत राव ,अधिष्ठाता, कला संकाय, एवं प्रोफेसर नंदिता सिंह, प्रेसिडेंट, ळॅ । रहीस जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रो. दिव्या रानी सिंह (निदेशक महिला अध्ययन केंद्र) ने किया इसके साथ ही विएस फाउंडेशन की डायरेक्टर सुश्री संगीता मल्ल भी उपस्थित रही इस अवसर पर महिला प्रतिभागियों ने अपने कौशल, हुनर और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया। ‘वूमेन्स हुनर हाट’ का उद्देश्य महिलाओं की रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना रहा। इस कार्यक्रम में लघु उद्योगधमिता से जुड़ी हैंड मेड क्राफ्ट एवं सजावटी वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया जिसमें सुई धागा लघु उद्योग की ओनर मिसेज वंदना, जिन्होंने थ्रेड से निर्मित ज्वेलरी को प्रदर्शित किया, रंजन बरनी अचार की ओनर रंजन श्रीवास्तव, यस्वी महिला गृह उद्योग (अचार एवं मिलेट्स आटा एवं घरेलू होममेड मसाले) की ओनर उर्वशी श्रीवास्तव, लविंग नोटिस के ओनर विभा गुप्ता जो होममेड मेक्रम वर्क से बनी हैंडबैग, हैंगिंग वॉल,एवं तोरण, जैसी वस्तु को सम्मिलित किया, आशिमा टेराकीर्ति एंड हैंडीक्राफ्ट आधुनिक टेराकोटा की ओनर कल्याणी कीर्ति सिंह जी आदि द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गयी स इन उत्पादों की विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्रों द्वारा खरीदारी भी की गई स प्रो राजवंत राव ने इसे महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास की दिशा में एक सार्थक पहल बताया। ”वूमेन्स हुनर हाट’ ने न केवल महिलाओं के हस्त कला की प्रतिभा को मंच दिया बल्कि समाज में महिलाओं की भागीदारी और योगदान को भी नई पहचान प्रदान की। गृह विज्ञान विभाग के प्रांगण में आयोजित इस आयोजन में छात्र–छात्राओं तथा शिक्षकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिसमें डॉ प्रीति गुप्ता, डॉ गीता सिंह रही। विभाग की डॉ अनुपमा कौशिक, डॉ नीता सिंह एवं शोध छात्राएं उपस्थित रही।सभी ने महिला उद्यमिता और कला–शक्ति को सराहते हुए इसे प्रेरणादायक कदम बताया।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608 हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लखनऊ, गुरूवार 21 अगस्त 2025 sheelshukla100@gmail.com

OpenAI ने भारत में 399 रुपये प्रति माह की ChatGPT GO सदस्यता पेश की

नई दिल्ली। इसे समूचे भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत एआई उपकरणों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए तैयार किया गया है, क्योंकि ओपनएआई के उपकरणों को अपनाने की प्रवृत्ति पूरे देश में तेजी से बढ़ रही है।'' नई योजना मौजूदा सदस्यता स्तरों के अतिरिक्त है, जिसमें चौटजीपीटी प्लस (1,999 रुपये प्रति माह) शामिल है।ओपनएआई ने भारत में चौटजीपीटी गो की घोषणा की है जिसकी सदस्यता 399 रुपये प्रति महीने से शुरू होती है। कंपनी ने घोषणा की कि सभी चौटजीपीटी सदस्यता का भुगतान यूपीआई के माध्यम से किया जा सकेगा, जिससे समूचे भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए ओपनएआई के उन्नत एआई उपकरणों तक पहुंच आसान हो जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति

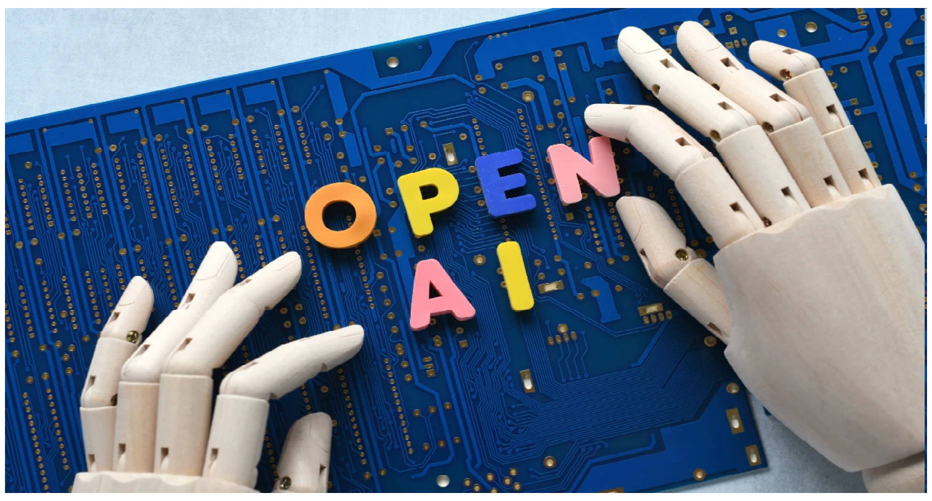

के अनुसार, '' ओपनएआई, चौटजीपीटी गो की शुरुआत कर रहा है, जो एक नई सदस्यता योजना है।

इसे समूचे भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत एआई उपकरणों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए तैयार किया गया है, क्योंकि ओपनएआई के उपकरणों को अपनाने की प्रवृत्ति पूरे देश में तेजी से बढ़ रही है।'' नई योजना मौजूदा सदस्यता स्तरों के अतिरिक्त है, जिसमें चौटजीपीटी प्लस (1,999 रुपये प्रति माह) शामिल है। उन पेशेवरों एवं उद्यमों के लिए जिन्हें उच्च पैमाने, अनुकूलन एवं सबसे उन्नत मॉडल तक पहुंच की आवश्यकता है उनके लिए ओपनएआई के पास चौटजीपीटी प्रो (19,900 रुपये प्रति माह) है। भारत चौटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। चौटजीपीटी के उपाध्यक्ष एवं प्रमुख निक टर्ली ने कहा कि ओपनएआई इस बात से प्रेरित है कि भारत में लाखों लोग सीखने, काम करने, रचनात्मकता और समस्या का समाधान तलाशने के लिए प्रतिदिन चौटजीपीटी का इस्तेमाल करते हैं। टर्ली ने कहा, '' चौटजीपीटी गो के साथ हम इन क्षमताओं को और भी अधिक सुलभ बनाने तथा यूपीआई के माध्यम से भुगतान को और भी आसान बनाने के लिए उत्साहित हैं।''मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने इस महीने की शुरुआत में कहा था अमेरिका के बाद भारत वर्तमान में ओपनएआई का सबसे बड़ा बाजार है और जल्द ही वैश्विक स्तर पर यह इसका सबसे बड़ा बाजार बन सकता है। ऑल्टमैन ने कहा था, '' अमेरिका के बाद भारत दुनिया में हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और यह हमारा सबसे बड़ा बाजार बन सकता है। यह अविश्वसनीय रूप से तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही उपयोगकर्ता कृत्रिम मेधा (एआई) का जिस तरह इस्तेमाल कर रहे हैं भारत के नागरिक जैसे इसका उपयोग कर रहे हैं वह वाकई बेहद अदभुत है।

कार, बाइक, स्कूटी] SUV-..सब सस्ता करने जा रहे मोदी, इस बार त्योहारों में मनचाहा वाहन सस्ते दामों में खरीद सकेंगे!

नई दिल्ली। सूत्रों के अनुसार, सरकार एसयूवी की मौजूदा परिभाषा को जीएसटी वर्गीकरण से हटाने पर विचार कर रही है। दरअसल, अक्सर यह विवाद होता रहा है कि कौन–सा वाहन एसयूवी श्रेणी में आए और किस पर कितना टैक्स लागू हो। नई व्यवस्था से यह भ्रम दूर होगा।मनचाही कार, स्कूटर, बाइक या एसयूवी खरीदने का आपका सपना जल्द ही सच हो सकता है। जी हाँ, हम आपको बता दें कि मोदी सरकार नए जीएसटी ढांचे पर काम कर रही है, जिससे वाहनों पर लगने वाला भारी टैक्स कम हो सकता है। खासकर छोटी कारों और टू–व्हीलर सेगमेंट में कीमतों में राहत मिलने की पूरी संभावना है। मोदी सरकार वाहन खरीददारों के लिए नया जीएसटी ढांचा लागू करने पर विचार कर रही है, जिसमें कारों, एसयूवी और टू–व्हीलर्स पर अलग–अलग कर दरों को तर्कसंगत बनाया जाएगा। हम आपको बता दें कि अभी की स्थिति में छोटे वाहनों पर 28: जीएसटी और साथ ही 1–3: सेस लगता है। वहीं, एसयूवी (न्टे) पर कुल कर बोझ लगभग 50: तक पहुँच जाता है। यह भारी टैक्स उपभोक्ताओं और ऑटोमोबाइल उद्योग, दोनों के लिए चिंता का विषय रहा है।सूत्रों के अनुसार, सरकार एसयूवी की मौजूदा परिभाषा को जीएसटी वर्गीकरण से हटाने पर विचार कर रही है। दरअसल, अक्सर यह विवाद होता रहा है कि कौन–सा वाहन एसयूवी श्रेणी में आए और किस पर कितना टैक्स लागू हो। नई व्यवस्था से यह भ्रम दूर होगा। मोदी सरकार की योजना है कि नया जीएसटी सिस्टम दो दरों पर आधारित होगा। पहला होगा मेरिट श्रेणी (डमतपज

ब्जमहवतल)। यहाँ 5: तक जीएसटी लगेगा। इसमें मुख्य रूप से जरूरी सामान या प्रोत्साहन योग्य वस्तुएँ (जैसे ईवी, जरूरी उपभोक्ता सामान) आ सकती हैं। दूसरा होगा स्टैंडर्ड श्रेणी (जंदकंतक ब्जमहवतल)। इस पर 18: जीएसटी लगेगा। इसमें अधिकांश कारें, बाइक और स्कूटर आने की संभावना है।हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में संकेत दिया था कि सरकार इस दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। खबरों के अनुसार, नया जीएसटी ढांचा इस साल दिवाली से बहुत पहले ही लागू किया जा सकता है। इससे छोटी कारें और एंट्री–लेवल बाइकध्स्कूटर की कीमतों में सीधे तौर पर कमी आएगी। खासकर 10 लाख रुपये से कम कीमत वाली कारें और बेसिक मोटरसाइकिलें अधिक सस्ती हो सकती हैं। इसके अलावा, टैक्स स्ट्रक्चर सरल होने और दरें घटने से एसयूवी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल सकती है। इसके अलावा, ईवी पर पहले से ही 5: जीएसटी है, जो यथावत रहने की संभावना है। साथ ही टैक्स कम होने से मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट घटेगी, जिससे उत्पादन में तेजी और बिक्री में इजाफा होगा।देखा जाये तो उपभोक्ताओं को दिवाली पर नई गाड़ियाँ खरीदने का सुनहरा अवसर मिलेगा। ऑटोमोबाइल सेक्टर की माँग बढ़ेगी, जिससे रोजगार और निवेश दोनों को बल मिलेगा। सरकार इस कदम से न केवल उद्योग को गति देना चाहती है, बल्कि उपभोक्ताओं के उत्सव बाजार को भी प्रोत्साहित करना चाहती है। यदि यह नया जीएसटी ढांचा लागू हो जाता है, तो यह उपभोक्ताओं के लिए यह वाकई त्योहारी उपहार साबित होगा। इस बार कार, बाइक, स्कूटर और यहाँ तक कि एसयूवी भी पहले से सस्ते दामों पर मिल सकते हैं।

उनकी गलती नहीं... Shreyas Iyer की अनदेखी पर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने दिया जवाब

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर का बल्ला खूब

चला। बावजूद इसके एक बार फिर अय्यर की अनदेखी हुई है और उन्हें एशिया कप 2025 के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि, अय्यर की कोई गलती नहीं है। हमारे पास सिर्फ 15खिलाड़ियो को चुनने का मौका था।एशिया कप 2025 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम घोषित हो गई है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि शुभमन गिल उपकप्तान होंगे। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से होगी और भारत इसमें अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से यूएई के खिलाफ करेगा। लेकिन इस सब के बावजूद श्रेयस अय्यर की फिर अनदेखी हुई है और उन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। श्रेयस अय्यर का बल्ला आईपीएल 2025 में खूब चला। उन्होंने पंजाब की कप्तान करते हुए टीम को फाइनल में पहुंचाया। इन सबके बावजूद टीम चयन में उनकी अनदेखी ने सबको चौंकाया है।

भारत को टी20 फॉर्मेट वाले एशिया कप में ग्रुप–ए में पाकिस्तान, यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। गिल को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं इस दौरान जब अजीत अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो, चीफ सेलेक्टर से मीडिया द्वारा अय्यर को लेकर सवाल किया गया। वही इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगरकर ने कहा कि, जहां तक यशस्वी जायसवाल की बात है तो ये दुर्भाग्यपूर्ण है। आप देखें कि किस तरह अभिषेक शर्मा ने अपना काम किया है और वह गेंदबाजी भी कर सकते हैं। इसलिए यशस्वी को इंतजार करना होगा। ऐसा ही अय्यर के साथ भी है। उनकी कोई गलती नहीं है। हमारे पास सिर्फ 15खिलाड़ियो को चुनने का मौका था। अगर जगह होती तो हम श्रेयस को टीम का हिस्सा जरूर बनाते। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि, टी20 वर्ल्ड कप के बाद बुमराह टेस्ट कैलेंडर में व्यस्त हो गए। अब उनके पास समय है और टीम में वापसी कर रहे हैं। हम उन्हें टीम में पाकर खुश हैं। अगरकर ने कहा कि, हम चाहते हैं कि बुमराह हर समय उपलब्ध रहे। लेकिन चोटों ने उन्हें काफी परेशान किया है और फिजियो उनकी निगरानी कर रहे हैं।

भारत की सबसे शक्तिशाली महिलाओं में शामिल हैं सुधा मूर्ति, आज मना रहीं 74वां जन्मदिन

नई दिल्ली। आज यानी की 19 अगस्त को औद्योगिक जगत को बड़ा और सम्मानित नाम सुधा मूर्ति अपना 74वां जन्मदिन मना रही हैं। हाल के वर्षों में सुधा मूर्ति का नाम कई कारणों से सुर्खियों में रहा है। उनको इंजीनियर, लेखिका और समाज सेविका के रूप में जाना जाता है।आज यानी की 19 अगस्त को औद्योगिक जगत को बड़ा और सम्मानित नाम सुधा मूर्ति अपना 74वां जन्मदिन मना रही हैं। हाल के वर्षों में सुधा मूर्ति का नाम कई कारणों से सुर्खियों में रहा है। वह एक दमदार पारिवारिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं लेकिन इसके बाद भी लोग सुधा मूर्ति की सादगी से प्रभावित रहते हैं। उनको इंजीनियर, लेखिका और समाज सेविका के रूप में जाना जाता है। सुधा मूर्ति हमेशा सिंपल साड़ी में नजर आती हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर सुधा मूर्ति के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में..

उत्तरी कर्नाटक में शिगांव में 19 अगस्त 1950 को सुधा मूर्ति का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम आर एच कुलकर्णी और मां का नाम विमला कुलकर्णी है। उन्होंने बीवीबी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हुबली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है।

बता दें कि सुधा मूर्ति इंजीनियरिंग कॉलेज में 150 स्टूडेंट्स बीच एडमिशन पाने वाली पहली महिला बनी थीं। इसके अलावा जब वह क्लास में प्रथम आईं तो कर्नाटक के सीएम ने उनको पदक से सम्मानित किया था। बाद में उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स की डिग्री हासिल की थी।

करियर

बता दें कि भारत की सबसे बड़ी ऑटो निर्माता कंपनी टेल्को में सुधा मूर्ति काम करने वाली पहली महिला इंजीनियर बनी थीं। उन्होंने पुणे में विकास अभियंता के तौर पर काम करने के बाद मुंबई और जमशेदपुर में भी काम किया है। वहीं जब उनके पति नारायण मूर्ति ने इंफोसिस फाउंडेशन की स्थापना की, तो सुधा मूर्ति ने अपने पति को 10 हजार रुपए उधार दिए थे। सुधा मूर्ति ने अपनी नौकरी छोड़कर पति की कंपनी शुरू करने में उनकी मदद की थी। सुधा मूर्ति एक फेमस सामाजिक कार्यकर्ता और लेखिका हैं। उन्होंने आठ उपन्यास लिखे हैं।

पुरस्कार

सुधा मूर्ति को उनके सेवा कार्यों के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसके बाद साल 2023 में उनको पद्म भूषण से सम्मानित करने की घोषणा की गई है

ब्लूस्टोन ज्वेलरी का शेयर गिरावट के साथ सूचीबद्ध होने के बाद संभला

नई दिल्ली। ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड ने एनएसई में शेयर ने 1.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 510 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की। शेयर अपने निर्गम मूल्य 517 रुपये से करीब दो प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। हालांकि बाद में इसमें तेजी दर्ज की गई।ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 517 रुपये से करीब दो प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। हालांकि बाद में इसमें तेजी दर्ज की गई। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 1.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 508.80 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में इसमें तेजी आई और यह 3.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 533.25 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई में शेयर ने 1.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 510 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की।हालांकि जल्द ही वापसी करता हुआ 3.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 534 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,024.52 करोड़ रुपये रहा। ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत बुधवार को 2.70 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपने 1,540.65 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 492–517 रुपये प्रति शेयर तय किया था।

शुभमन गिल उपकप्तान तो जितेश शर्मा का कमबैक, राहुल-जायसवाल और अय्यर को नहीं मिला मौका

नई दिल्ली। अजीत अगरकर की अध्यक्षता में एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान हुआ है। इस दौरान कई खिलाड़ियों की वापसी हुई है तो कुछ को निराश होना पड़ा है। शुभमन गिल बतौर उपकप्तान टी20 में वापस आए हैं तो जितेश शर्मा का भी कमबैक हुआ है। जबकि श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और केएल राहुल जैसे स्टार खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं मिली है।

आगामी एशिया कप 2025 के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। जहां अजीत अगरकर की अध्यक्षता में भारत की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान हुआ है। इस दौरान कई खिलाड़ियों की वापसी हुई है तो कुछ को निराश होना पड़ा है। शुभमन गिल बतौर उपकप्तान टी20 में वापस आए हैं तो जितेश शर्मा का भी कमबैक हुआ है। जबकि श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और केएल राहुल जैसे स्टार खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं मिली है। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर ने आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अय्यर ने जहां 600 से ज्यादा रन बनाए थे। वहीं राहुल के बल्ले से भी खूब रन निकले थे। उन्होंने शतक भी लगाया था। यशस्वी जायसवाल ने उम्मीद के मुताबिक तेजी से रन बनाए थे। तीनों टीम में जगह पाने के हकदार थे लेकिन सभी को झटका लगा है। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विकेटों का अंबार लगाने वाले मोहम्मद सिराज को भी टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा आईपीएल 2025 में 650 रन बनाने वाले भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को वाइस कैप्टन बनाया गया है। जिसका मतलब ये है कि उनकी प्लेइंग इलेवन में जगह पक्की की है। साथ ही आईपीएल 2025 में बतौर फिनिशर उभरे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी एशिया कप की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। एशिया कप के लिए कंडीशंस को ध्यान में रखते हुए 5 ऑलराउडर और 3 तेज गेंदबाज को इस स्क्वॉड में शामिल किया गया है। वहीं टीम में स्पिनर्स की भी भरमार है।

एशिया कप के लिए भारत का स्क्वॉड

सूर्य कुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

Asia Cup 2025 Hockey में पाकिस्तान और ओमान की जगह बांग्लादेश और कजाखस्तान खेलेंगे

नई दिल्ली। बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से होने वाले पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान और ओमान की जगह बांग्लादेश और कजाखस्तान खेलेंगे। मंगलवार को जारी टूर्नामेंट के कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई। मेजबान भारत को चीन, जापान और कजाखस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मलेशिया, कोरिया, चीनी ताइपे और बांग्लादेश को जगह मिली है।पाकिस्तान और ओमान की जगह बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से होने वाले पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में बांग्लादेश और कजाखस्तान खेलेंगे। मंगलवार को जारी टूर्नामेंट के कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई। मेजबान भारत को चीन, जापान और कजाखस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मलेशिया, कोरिया, चीनी ताइपे और बांग्लादेश को जगह मिली है।आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के विजेता को नीदरलैंड और बेल्जियम में 2026 में होने वाले विश्व कप में सीधे जगह मिलेगी। मलेशिया और बांग्लादेश के मुकाबले के साथ 29 अगस्त को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट की शुरुआत होगी जबकि प्रतियोगिता के पहले दिन के अंतिम मुकाबले में भारत और चीन आमने–सामने होंगे।पूल चरण के बाद सुपर फोर मुकाबले तीन से छह सितंबर तक खेले जायेंगे। सुपर फोर मुकाबलों का ऐलान पूल चरण के बाद किया जायेगा। फाइनल, तीसरे स्थान का प्ले ऑफ और पांचवें–छठे स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला सात सितंबर को होगा। भारत सरकार ने कहा था कि वह टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा मुहैया कराएगी लेकिन पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सुरक्षा कारणों से यात्रा करने से इनकार कर दिया। आयोजकों ने आठ टीम के इस टूर्नामेंट मेंपाकिस्तान की जगह लेने के लिए पहले ही बांग्लादेश से संपर्क कर लिया था।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ सैन्य टकराव के कारण पाकिस्तान के एशिया कप में प्रतिनिधित्व को लेकर अनिश्चितता थी। यह 2026 विश्व कप की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता भी है। भारत ने आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। कोरिया टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जिसने पांच बार खिताब जीता है।भारत और पाकिस्तान तीन तीन बार जीत चुके हैं। भारत ने आखिरी बार 2017 में ढाका में फाइनल में मलेशिया को 2 . 1 से हराकर खिताब जीता था। पिछली बार जकार्ता में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर रही थी। एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष फुमियो ओगुरा ने कहा ,'' हीरो एशिया कप राजगीर बिहार 2025 में सर्वश्रेष्ठ एशियाई हॉकी देखने को मिलेगी। विश्व कप क्वालीफिकेशन दाव पर होने से हर मैच अहम होगा। हमें उम्मीद है कि इस बार रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

मनु भाकर ने जीता ब्रान्ज मेडल, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में किया कमाल

नई दिल्ली। मंगलवार को एशियाई निशानेबाजी चौंपियनशिप 2025 में भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। इस दौरान मनु ने फाइनल में 219.7अंक हासिल किए। वहीं साउथ कोरिया की जिन यांग ने सिल्वर और चीन की कियानके मा ने गोल्ड मेडल जीता।कजाकिस्तान के श्यामकेंट में एशियाई निशानेबाजी चौंपियनशिप 2025 का आयोजन हुआ। जहां मंगलवार को भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। इस दौरान मनु ने फाइनल में 219.7अंक हासिल किए। वहीं साउथ कोरिया की जिन यांग ने सिल्वर और चीन की कियानके मा ने गोल्ड मेडल जीता। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। 30 सितंबर से शुरू होने वाले इस आईसीसी इवेंट के लिए भारतीय टीम की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान नीतू डेविड की अध्यक्षता में हुआ। जहां टीम इंडिया की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी। वहीं शेफाली वर्मा को इस स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है।आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। 30 सितंबर से शुरू होने वाले इस आईसीसी इवेंट के लिए भारतीय टीम की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान नीतू डेविड की अध्यक्षता में हुआ। जहां टीम इंडिया की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी। वहीं शेफाली वर्मा को इस स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। जबकि क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी को टीम में शामिल किया गया है। महिला चीफ सेलेक्टर ने कहा है कि, शेफाली ऑस्ट्रेलिया ए सीरीज में खेली थी। ऐसा नहीं है कि वह नहीं है। हमारी नजरें उस पर हैं उम्मीद है कि वह और खेलेगी और अनुभव हासिल करेगी। इससे 50 ओवरों के फॉर्मेट में भारत को मदद मिलेगी। हरमनप्रीत ने कहा कि,पावरप्ले में रेणुका और क्रांति हैं, स्लॉग ओवरों में श्री चरणी, दीप्ती और राधा हैं और बीच के ओवरों में स्नेह राणा हैं। हम ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहते थे, हम निरंतरता चाहते थे।

ता दें कि, महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 30 सितंबर खेला जाएगा। इसमें कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत–पाकिस्तान तनाव के चलते पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका के कोलंबो में खेले जाएंगे। भारत वर्ल्ड कप के अन्य सभी मुकाबलों की मेजबानी करेगा और उसकी नजरें पहली बार वैश्विक ट्रॉफी जीतने पर टिकी होंगी। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने कभी भी वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीता है।

महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) और स्नेह राणा।

रजनीकांत की कुली का बाक्स आफिस पर कब्जा, 200 करोड़ रुपये से चंद कदम दूर

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली को 14 अगस्त को ऋतिक रोशन की वॉर 2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि, कुली कमाई के मामले में वॉर 2 से आगे है। बॉक्स ऑफिस पर कुली का कारोबार तेजी से 200 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रहा है। आइए जानें फिल्म ने चौथे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कुली ने अपनी रिलीज के चौथे यानी रविवार को 35 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 194.25 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 65 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था। दूसरे दिन इस फिल्म ने 54.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं तीसरे दिन यह 39.5 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।कुली के निर्देशन की कमान लोकेश कनगराज ने संभाली है। यह लोकेश और रजनीकांत के बीच पहला सहयोग है। रजनीकांत इस फिल्म में देवा की भूमिका निभा रहे हैं। थलाइवा का एक्शन और स्वैग देख दर्शक एक बार फिर उनके मुरीद हो गए हैं। कुली में नागार्जुन अक्किनेनी, श्रुति हासन, सौबिन शाहिर, उपेंद्र, सत्यराज और रचिता राम जैसे सितारे भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, वहीं आमिर खान और पूजा हेगड़े ने भी फिल्म में कैमियो किया है।

राजामौली ने लान्च किया राव बहादुर का टीजर, पैन-इंडिया फिल्म की दिखी अनोखी झलक

सबसे बड़ा दुश्मन है शक और महेश बाबू प्रेजेंट्स वेंकटेश की राव बहादुर के टीजर में दिखाया गया है कि कहानी का हीरो इसी दुश्मन यानी शक के वश में है. इस फिल्म को जीएमबी एंटरटेनमेंट, एएस मूवीज, श्रीचक्रास एंटरटेनमेंट्स और महायान मोशन पिक्चर्स ने बनाया है.महेश बाबू प्रेजेंट्स, वेंकटेश महा की फिल्म राव बहादुर का फर्स्ट लुक पोस्टर आते ही छा गया था. इसमें सत्यदेव का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिला, जिसने सबको हैरान कर दिया. पोस्टर ने साफ कर दिया था कि कुछ अलग और खास आने वाला है. जैसे–जैसे लोगों का उत्साह बढ़ता गया, मेकर्स ने रिलीज को लेकर सबको उत्सुक बनाए रखा और अब इंतजार खत्म हो चुका है. यूनिक और दिलचस्प अंदाज में बनी इस फिल्म का धमाकेदार टीजर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है और सबसे खास बात यह है कि राव बहादुर के टीजर को खुद एस.एस. राजामौली ने लॉन्च किया है.राव बहादुर का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा टीजर अब रिलीज हो गया है. इसमें सत्यदेव नजर आ रहे हैं और यह टीजर पैन–इंडिया फिल्मों के लिए एक नया रिकॉर्ड बना रहा है. पहले लुक में जहां सत्यदेव का शानदार बदला हुआ अंदाज दिखा था, वहीं टीजर हमें एक बड़ी और अलग दुनिया में ले जाता है. ये टीजर अपने अनोखे स्टाइल और शानदार विजुअल्स से सबको आकर्षित कर रहा है. अब दर्शकों का जोश और भी बढ़ गया है, क्योंकि राव बहादुर वाकई में एक अलग और जबरदस्त पैन–इंडिया फिल्म बनने वाली है.राव बहादुर का टीजर हमें एक रहस्यमयी दुनिया में ले जाता है, जहां सस्पेंस और रोमांच से भरी कहानियां छिपी हुई हैं इसमें एक अलग ही यूनिवर्स दिखाया गया है, जिसमें ढेरों कहानियां आगे खुलने का इंतजार कर रही हैं टीजर में सत्यदेव का नया और बदला हुआ लुक देखने लायक है, उनकी एक्टिंग भी कमाल की लग रही है.फिल्म को एक मनोवैज्ञानिक ड्रामा बताया गया है, जो रहस्य और हकीकत के मिलन पर आधारित है. मेकर्स ने इसे मजाकिया अंदाज में श्एक टीजर भी नहींय कहा है, लेकिन सच में ये आने वाली पैन–इंडिया फिल्म की एक झलक है, जो बेहद खास होने वाली है.बड़े प्रोड्यूसर्स, एक खास सोच वाले डायरेक्टर और दमदार एक्टिंग करने वाले हीरो के साथ, राव बहादुर आने वाले सालों में देखने लायक सबसे खास भारतीय फिल्मों में से एक मानी जा रही है.सुपरस्टार महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ, राव बहादुर एक नई फिल्म है, जिसे प्रसिद्ध निर्देशक वेंकटेश माहा बना रहे हैं वेंकटेश माहा ने पहले कांचरापालेम और उमा महेश्वर उग्र रूपस्य जैसी सफल फिल्में बनाई हैं.यह फिल्म एएस मूवीज और श्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स के साथ बनी है, जो तेलुगु सिनेमा की लोकप्रिय कंपनियां हैं एएस मूवीज ने पहले जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ मेजर बनाई थी और श्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स ने केए जैसी मशहूर फिल्म का समर्थन किया है राव बहादुर की रिलीज गर्मियों 2026 में होगी.

अंजिनी धवन ने अपने स्टनिंग बिकिनी लुक से फैंस के उड़ाए होश

सिकंदर फेम एक्ट्रेस अंजिनी धवन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर क्रोएशिया में वेकेशन एंजॉय करते हुए तस्वीरें शेयर की हैं. उनकी बिकिनी लुक को देख फैंस अपना दिल हार बैठे हैं. यहां देखिए एक्ट्रेस के वेकेशन की तस्वीरें

वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन आए दिन अपने फैशनेबल लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर भी वो काफी एक्टिव हैं और फैंस के साथ अपने डेली अपडेट्स शेयर करती हैं.

अब हाल ही में हसीना ने क्रोएशिया में अपना वेकेशन एंजॉय करते हुए अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है. इन फोटोज पर अब फैंस जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर रहे हैं. इंस्टाग्राम पर ये तस्वीरें अब काफी वायरल हो चुकी हैं

वायरल तस्वीरों में अंजिनी को कलरफुल बिकिनी पहने बीच साइड एंजॉय करते देखा गया . तस्वीरों में एक्ट्रेस खुले बालों में अपना टोन्ड फिगर फ्लांट करते हुए नजर आ रही हैं.

कलरफुल बिकिनी में उन्होंने अलगदृअलग पोज में अपनी तस्वीरें शेयर की है जो फैंस की धड़कने तेज कर रही हैं. अक्सर ही वो सिजलिंग अवतार में अपनी फोटोज शेयर करती हैं और हर बार फैंस उनकी खूबसूरती के मुरीद बन जाते हैं.

वेकेशन के दौरान ग्लौसी मेकअप और खुले बालों में अंजिनी धवन बला की खुशबूरत लग रही हैं. उनका ये कातिलाना अंदाज देख यूजर्स उनके पोस्ट पर जमकर लाइक्स की बरसात कर रहे हैं.

आपको बता दें, अंजिनी धवन पॉपुलर बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन की भतीजी हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फैमिली ड्रामा शबिन्नी एंड फैमिलीय से की थी. आखिरी बार उन्हें सलमान खान की फिल्म सिकंदर में देखा गया था.

फिल्मी पर्दे के साथ एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और अक्सर ही अपने दिलकश अदाओं और डांस रील से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते नजर आती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोविंग हैं और फैंस हमेशा की उनकी एक झलक पाने को बेकरार रहते हैं.

परम सुंदरी का गाना सुन मेरे यार वे जारी, क्यूट दिख रही है केमिस्ट्री, 29 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म परम सुंदरी का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऐलान हुआ है, प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। अब परम सुंदरी का गाना सुन मेरे यार वे रिलीज हो गया है, जिसमें सिद्धार्थ और जाह्नवी एक–दूजे के साथ रोमांस करते दिख रहे हैं। इस गाने को आदित्य रिखारी और सचिन–जिगर ने गाया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबार का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की की भूमिका निभा रही हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है। फिल्म की पूरी कहानी उन्हीं की प्रेम कहानी के इर्द–गिर्द घूमती नजर आएगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान तुषार जलोटा संभाल रहे हैं। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

गायक आदित्य रिखारी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद खास अनुभव है। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने गाने की भावनात्मक गहराई और आदित्य की आवाज की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है। जाह्नवी कपूर की मासूमियत और सिद्धार्थ के अभिनय ने गाने को और अच्छा बना दिया है।गायक आदित्य रिखारी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद खास अनुभव है। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने गाने की भावनात्मक गहराई और आदित्य की आवाज की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है। जाह्नवी कपूर की मासूमियत और सिद्धार्थ के अभिनय ने गाने को और अच्छा बना दिया है।

20 साल के करियर में बनी मैं हर किरदार की मास्टर: रेजिना कैसेंड्रा

जाट, साकिनी–डाकिनी और केसरी चौप्टर–2 में अभिनय करने वाली रेजिना कैसेंड्रा ने इंडस्ट्री में गुजारे 20 साल को बेहतरीन बताया है। उनके मुताबिक सफर देखने में जितना हसीन है, दरअसल, वैसा था नहीं। इसी साल उनकी दो बड़ी फिल्में केसरी–चौप्टर टू और जाट, रिलीज हुईं। दोनों ही किरदार एक दूजे से एकदम जुदा। एक्ट्रेस के अंदाज को इंडस्ट्री के नामदार पसंद करने लगे हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अलग–अलग भाषाओं में काम करने के खूबसूरत मौके मिले। बोलीं, मेरा सिने सफर काफी शानदार रहा है। मुझे अलग–अलग भाषाओं में काम करने के मौके मिले हैं, इसके लिए मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। अब, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे खुशी होती है। लेकिन मेरे लिए यहां तक पहुंचना आसान नहीं था। कई बार मुझे खुद पर शक होता था कि मैं खुद को और दूसरों की उम्मीदों पर खरी भी उतर पाऊंगी कि नहीं। क्योंकि तब मैं बहुत छोटी थी, इसलिए मेरे लिए चीजें बिल्कुल अलग थीं।अभिनेत्री ने बताया कि कई समय तक उन्हें ये लगता रहा था कि काश उनका कोई मेंटर होता, लेकिन फिर उन्होंने खुद ही हर चीज सीखी और अपने अनुभवों से आगे बढ़ीं।रेजिना ने कहा, आज मैं अपने इस सफर के लिए बहुत आभारी हूं जो मैं आज हूं। मेरे काम और उससे मिली चुनौतियों ने मुझे बेहतर इंसान बनाया। मैं हमेशा से एक ऐसी अभिनेत्री बनना चाहती थी जो हर तरह का किरदार निभा सकेकृचाहे वह गर्ल नेक्स्ट डोर (पड़ोस की सीधी लड़की), भोली–भाली, साइको, ड्रग एडिक्ट, लेस्बियन गर्ल, या कोई और। मैं हर किरदार निभाना चाहती हूं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे किसी एक तरह के रोल में बांधा नहीं गया, और इसी वजह से मैं खुद को और बेहतर कलाकार बना पाई हूं।

सवाल कि, वह खुद को कैसे परिभाषित करेंगी? पर उन्होंने कहा, इस पागलपन में भी एक तरीका होता है, बस आपको उसके साथ चलते चले जाना होता है।उन्होंने आगे कहा, ये सब इस पर भी निर्भर करता है कि प्रोजेक्ट और सेटअप कैसा है। वहां का माहौल शांत है या फिर बहुत उलझा हुआ है। आप इसे सिर्फ भाषा के आधार पर नहीं बांट सकते। हालांकि, साउथ के डायरेक्टर्स ज्यादातर रिलेटेबल स्टोरी बनाना पसंद करते हैं।

हारर कामेडी फिल्म थामा से आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक आउट, पिशाच अवतार में छाए नवाजुद्दीन

हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा से आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का फर्स्ट लुक सामने आ गया है. बीती 15 अगस्त को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था. 15 अगस्त 2025 को हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 को पूरा एक साल हो गया था, जिसके मौके पर थामा की झलक दिखाई गई थी. आज 18 अगस्त को फिल्म थामा से इसकी स्टारकास्ट के फर्स्ट लुका जारी कर दिए गये हैं.

थामा के पहले पार्ट में नवाजुद्दीन पिशाच के रोल में होंगे और उनका फर्स्ट लुक बेहद डरावना नजर आता है. का अंत नहीं होगा और यह रोल फिल्म के दूसरे पार्ट में भी दर्शकों का पसीना छुड़ाएगा. वहीं, आयुष्मान और रश्मिका के फर्स्ट लुक की बात करें तो दोनों का अंदाज बड़ा इंटेंस लुक वाला है. वहीं, परेश रावल को उनके फर्स्ट लुक में हैरान परेशान देखा जा रहा है. फिल्म में आयुष्मान का किरदार आलोक, रश्मिका का ताड़का रोशनी, परेश रावल का रोल मिस्टर राम बजाज गोयल का है, जो हमेशा कॉमेडी में ट्रेजडी ढूंढते हैं, नवाज के वैंपायर रोल का नाम यक्षासन है, जो अंधेरे का बादशाह है. कल 19 अगस्त 11.11 बजे फिल्म से नया सरप्राइज मिलेगा.

रिपोर्ट्स की मानें तो, फिल्म का दूसरा पार्ट भी बनेगा, जिसमें ना सिर्फ नवाजुद्दीन बल्कि आयुष्मान, रश्मिका और परेश रावल भी नजर आएंगे. फिल्म में आयुष्मान एक इतिहास के जानकर बनेंगे और परेश रावल भूतिया स्टडी करने वाले बाबा. बता दें. स्त्री और भेड़िया की तरह रोशन शंकर ने ही फिल्म थामा का स्क्रीनप्ले किया है और डायलॉग भी लिखे हैं. अब देखना है कि मडोक के पिटारे से आ रही एक हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा दर्शकों को कितना डराती और हंसाती है. फिल्म इस दिवाली पर रिलीज होने जा रही है.।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।